सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 24 जनवरी, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 114, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भारत को चाहिए फ्रांस की चार दिन काम वाली व्यवस्था

कार्ति पी. चिदंबरम

आज के दौर में जबकि कई उद्योगों में कर्मचारियों के कुशल-क्षेम से ज्यादा मुनाफे की चिंता की जाने लगी है, तब काम के लंबे घंटे उनके यहां के नियमों में शामिल हो गए हैं। कॉर्पोरेट जगत मनुष्य की कीमत पर प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में जुटा है।

काम के लंबे घंटों से जुड़े तर्क में आंकड़ों - ओवरटाइम के लिए पैसे, हर घंटे प्रोडक्टिविटी या एक निश्चित अवधि में कंपनी के लाभ या हानि आदि के आंकड़ों पर जोर दिया जाता है। जो भी हो, इन सबके पीछे व्यक्ति खड़ा है - कामगार, जो मालिक की निरंतर बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए शारीरिक, मानसिक, और भावनात्मक दबावों को झेलता है।

यह विमर्श हाल में भारत में विवाद का रूप ले चुका है, जिसे एन.आर. नारायणमूर्ति और एस.एन. सुब्रह्मण्यम सरीखे व्यवसायी बढ़ा रहे हैं। इन्फोसिस के सह-संस्थापक नारायणमूर्ति ने इंडियन प्रोफेशनलों को वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए सप्ताह में उनके काम के घंटे बढ़ाकर 70 करने की वकालत करके विवाद को भड़काया। लारसन ऐंड टूब्रो के चेयरमैन सुब्रह्मण्यन ने हफ्ते में काम के घंटे बढ़ाकर 90 करने का प्रस्ताव देकर इसे और तीखा बनाया।

इन बयानों की व्यापक आलोचना भी हुई और यह महत्वपूर्ण सवाल उठाया गया कि क्या भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं ऐसी हैं कि उनकी खातिर उसके वर्कर्स के कुशल-क्षेम से समझौता किया जाए?

काम के घंटे बढ़ाने का समर्थन करने वालों का तर्क है कि भारत को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्द्धा में बने रहना है तो कामगारों का अटूट समर्पण निर्णायक साबित हो सकता है, लेकिन इस नज़रिए में इस बुनियादी सिद्धांत की उपेक्षा की जाती है कि प्रोडक्टिविटी सीधे काम के घंटे के अनुपात से बढ़ती-घटती नहीं है। रिसर्च बताती हैं कि प्रोडक्टिविटी एक निश्चित सीमा तक अपने चरम को छूती है, उसके बाद थकान, मानसिक तनाव आदि के कारण वह कम होने लगती है। इसे कार्यकुशलता से संबंधित अंग्रेज़ी अक्षर 'यू' के उलटे वक्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

काम की अधिकता शारीरिक तथा मानसिक थकान के कारण उलटे नतीजे देने लगती है और कर्मचारी के परफॉर्मेंस घटाने लगती है। इंसान मशीन नहीं है, उसे अपने काम करने का हाई लेवल बनाए रखने के लिए आराम और मेंटल हेल्थ की जरूरत पड़ती है। आज के भारतीय कामगार आर्थिक दबावों और निजी ज़रूरतों के बीच संतुलन बनाकर जीने की चुनौती से जूझ रहे हैं। वे नए हुनर सीखना चाहते हैं, नई शगल अपनाना चाहते हैं, योग और मेडिटेशन करना चाहते हैं और अपने परिवार के साथ समय भी बिताना चाहते हैं। वे इन खुशियों को जीने के लिए रिटायर होने का इंतज़ार नहीं करना चाहते।

किसी भी कंपनी के सीईओ के हित में यही है कि उसके कर्मचारी कोल्हू में फंसे बैल जैसे न हों बल्कि खुशहाल कामगार हों।

विश्व खुशहाली सूचकांक रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, भारत उस साल खुशहाल आबादी के लिहाज़ से 137 देशों में 126वें पायदान पर था, जो वर्क-कल्चर के असंतुलन के कुप्रभावों को उजागर करता है। खुशहाली के पैमाने पर निरंतर सबसे ऊंचे पायदान पर कायम फिनलैंड जैसे देश संतुलित जीवनशैली के फायदों को उजागर करते हैं। भारत की आर्थिक वृद्धि का दारोमदार काम के बढ़े हुए घंटों पर नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय समृद्धि का आकलन काम के घंटों के पैमाने से नहीं बल्कि कामगारों के हुनर, सार्थक रोजगार, और नागरिकों की खुशहली के पैमाने से किया जाना चाहिए। समग्रता वाला नज़रिया अपनाकर ही कोई देश दीर्घकालिक वृद्धि हासिल कर सकता है।

कम सैलरी वाले और कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले लोगों से लंबे घंटे तक काम लेना आज का सामान्य चलन हो गया है। रोजगार की असुरक्षा और सीमित अवसरों के कारण वे मजबूरन शोषणकारी स्थितियों में काम करने को तैयार रहते हैं। उदाहरण के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कामगार ज्यादा काम करने की मांगों से कुप्रभावित होते हैं।

बेजा बोझ उठाने को मजबूर दूसरा समुदाय महिला कामगारों का है, जिन्हें घर के काम करने के अलावा नौकरी की जिम्मेदारियां पूरी करनी पड़ती हैं। महिलाएं कामगारों की जमात में वृद्धि तो करती हैं, लेकिन उनमें से कई को समाज की अपेक्षाओं और नौकरी की मांगों का दोहरा दबाव झेलना पड़ता है। परिवार, घर के कामकाज और पूर्णकालिक रोज़गार के बीच संतुलन बिताते हुए उन्हें अपने लिए शायद ही वक्त बचता हो।

काम की अधिकता के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं, जिनमें स्थायी थकान, चिंता, डिप्रेशन और दिल की बीमारियां तक शामिल हैं। अर्न्स्ट एंड यंग के कर्मचारी की आत्महत्या (जिसके लिए उनके परिवार ने जॉब से जुड़े स्ट्रैस को कारण बताया) जैसे दुखद मामले काम के बोझ से परेशान कामगारों के गंभीर मानसिक तनाव को उजागर करते हैं।

काम के लंबे घंटों का सबसे घातक परिणाम शायद कामगारों का अमानवीयकरण है। कामगारों को जब केवल मुनाफा पैदा करने वाला पुर्जा मान लिया जाता है तब वे अपनी गरिमा और अपना स्वाभिमान भी खोने लगते हैं। वे खुद को फालतू, अलग-थलग और बलि के बकरे जैसा समझने लगते हैं।

इसके नतीजे व्यक्तियों से आगे बढ़कर परिवारों और समुदायों तक को कुप्रभावित करने लगते हैं। कामगार अपने प्रियजनों को कम समय देने लगते हैं, जिससे घर में संबंधों में तनाव पैदा होता है। काम से जुड़े तनाव सामाजिक रिश्तों को भी कमजोर करते हैं और दूरियां पैदा करते हैं, जिसके कारण मानसिक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। काम के बोझ वाला कल्चर टिकाऊ नहीं हो सकता। इस समस्या से निबटने के लिए कॉर्पोरेट जगत और सरकारों को काम के घंटों की सीमा तय करने, फ्लेक्सिबल वर्क लिस्ट और पर्याप्त छुट्टियों आदि की व्यवस्था करनी चाहिए। भारत की सफलता उसके कामगारों के काम करने के घंटों की संख्या पर नहीं बल्कि उनके काम की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी। मैं हफ्ते में चार दिन काम वाली व्यवस्था की वकालत करता हूं, जो सोमवार का आधे दिन बीतने के बाद शुरू हो और शुक्रवार के आधा दिन से पहले खत्म हो। यह व्यवस्था फ्रांस में पिछले साल लागू की गई और इसे दुनिया के कई देशों में आजमाया जा रहा है। चार दिन वाले मॉडल को ज्यादा टिकाऊ वर्क-कल्चर की दिशा में एक कदम के तौर पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

भविष्य में सबसे सफल समाज को अनवरत कठोर श्रम करने वाले कामगारों से नहीं बल्कि उनकी मानसिक सेहत और मानवीयता के उत्कर्ष से परिभाषित किया जाएगा। मगर, सवाल यह नहीं है कि हम कितना काम करते हैं बल्कि यह है कि हम कितनी अच्छी ज़िंदगी जीते हैं।

(द प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

देखो किसी को चाहने से पहले
अपनी मजबूरियों से वाकिफ हो
आधे रस्ते में फिर ऐसा न हो
याददाश्त लौट आए .... मेरे रिश्ते
मेरे ये मेरे वो मेरा समाज ....
करियर...
लिस्ट लंबी हो सकती...
अक्सर लोग ये सब करते फिर
प्यार में एक को सफरिंग...
अलग अलग उद्देश्य होते है चाहत के मगर
थोड़ा रुककर ख्याल करके आगे बढ़े तो
शायद किसका दिल न टूटे...।

– स्टेला जैकसन

नेताजी की जयंती पर

स्कूली बच्चों से मिले पीएम

पूछा-टिफिन लाए हो, हंसकर कहा-मैं खाऊंगा नहीं, बताओ तो सही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वे संसद के सेंट्रल हॉल में स्कूल स्टूडेंट्स से मिले और उनसे बातचीत की। मोदी ने बच्चों से पूछा कि खाने का डिब्बा लेकर आए हो या नहीं। बच्चों के मना करने पर पीएम हंसकर बोले- बताओ तो मैं खाऊंगा नहीं। इसके अलावा पीएम ने बच्चों को सूर्योदय योजना के बारे में समझाया और बताया कि ये कैसे क्लाइमेट चेंज के खिलाफ अच्छी पहल है। उन्होंने बच्चों से 2047 तक का लक्ष्य पूछा। बच्चों ने बताया कि 2047 तक देश को विकसित बनाना है। पीएम ने बच्चों के साथ जय हिंद के नारे भी लगाए। पीएम मोदी ने बच्चों से 3.27 मिनट की बातचीत का वीडियो एक्स पर शेयर किया। पीएम ने बच्चों से नेताजी सुभाष चंद्र बोस और देश के विजन को लेकर सवाल किए। पूछा-पीएम सूर्योदय योजना मालूम है... ये क्लाइमेंट चेंज के खिलाफ लड़ाई है। हर घर पर सोलर पैनल लगेंगे। और सूर्य की ताकत से घर पर बिजली पैदा होगी, उसके कारण घर पर बिजली बिल जीरो आएगा।

- **पराक्रम दिवस पर पीएम ने दी नेताजी को श्रद्धांजलि** –प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। संसद के सेंट्रल हॉल में विशेष आयोजन हुआ जिसमें पीएम मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी ने वहां मौजूद बच्चों से भी संवाद किया। पीएम ने बच्चों के साथ मिलकर जय हिंद के नारे भी लगाए। इससे पहले सोशल मीडिया पोस्ट में पीएम ने लिखा– भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान अद्वितीय है। वे साहस और धैर्य के प्रतीक थे। उनका विजन हमें प्रेरित करता रहता है क्योंकि हम उनके सपनों के भारत के निर्माण की दिशा में काम करते हैं। प्रधानमंत्री ने नेताजी की जयंती के मौके पर ओडिशा के कटक में आयोजित पराक्रम दिवस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री ने लोगों से विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। मोदी ने कहा– नेताजी सुभाष चंद्र बोस कंफर्ट जोन के बंधन में नहीं बंधे। उन्होंने आराम की जगह देश की आजादी के लिए संघर्ष करना पसंद किया। इसी तरह हम सभी को विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना है।

सीएम ने नव निर्मित फ्लाई-ओवर ब्रिज एवं एलिवेटेड कॉरीडोर का किया लोकार्पण

डॉ. अंबेडकर के नाम से जाना जाएगा भोपाल का फ्लाईओवर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले–भोपाल देश का दिल है, इसका तेजी से होगा विकास

सीएम ने कहा–नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज भोपाल को मिली 154 करोड़ रूपये की लागत के फ्लाई-ओवर की सौगात नगर के विकास को गति देगी। यह नव निर्मित फ्लाई-ओवर हमारे महान देशभक्त और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से जाना जायेगा। उन्होंने कहा कि भोपाल, देश का दिल है। यह देश की सुंदरतम राजधानी है। वर्ष 1956 में जब मध्यप्रदेश का गठन हुआ था, उस समय भोपाल एक छोटा सा गांव था। लंबे समय तक इसका विकास रुका रहा। हमारी सरकारों ने इसका विकास किया। अब भोपाल का तेज गति से विकास किया जाएगा। तीन किलोमीटर लंबा नव निर्मित फ्लाई-ओवर गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर तक बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सुयोग है कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर इसका लोकार्पण हो रहा है। यह पुल एक और नेताजी सुभाष चंद्र सेतु और दूसरी ओर वीर सावरकर सेतु को मिलाएगा। बड़ी चुनौतियों के बीच इस ब्रिज का निर्माण हुआ है, इसके लिए लोक निर्माण मंत्री और उनका विभाग बधाई के पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बावड़िया-कलां क्षेत्र में आवागमन की सुविधा की दृष्टि से 180 करोड रुपए की लागत से फ्लाई-ओवर बनाए जाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द बैरागढ़ ब्रिज का भी लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को भोपाल में 3 किलोमीटर लंबे नव निर्मित फ्लाई-ओवर ब्रिज का लोकार्पण कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस पुल के बन जाने से ओबेदुल्लागंज, नर्मदापुरम, बैतूल, खंडवा और जबलपुर मार्ग पर यातायात सुगम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हमारे महान देशभक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती है, उन्हें हम हृदय से नमन करते हैं। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने अंग्रेजों को चुनौती दी और स्वतंत्रता संग्राम को नई राह दिखाई। वर्ष 1923 में उन्होंने अंग्रेजों की आईसीएस परीक्षा प्रवीण्य सूची में उत्तीर्ण की, परंतु उन्होंने अंग्रेजों की गुलामी करने के स्थान पर देशभक्ति का मार्ग चुना।

महान वीरांगनाओं ने भी देश का गौरव बढ़ाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने समानता की लड़ाई लड़ी। संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, उन्होंने धारा 370 का विरोध किया था। हम उनकी स्मृति में पंच तीर्थ उनके जन्म स्थान, दीक्षा स्थल, कर्मभूमि, शिक्षा स्थल और जहां उन्होंने शरीर त्याग किया वहां तीर्थ स्थल विकसित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई, रानी दुर्गावती और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई जैसी महान वीरांगनाओं ने देश का गौरव बढ़ाया है। हमारी सरकार ने महिला सशक्तिकरण नीति बनाई है, जिसे शीघ्र लागू किया जायेगा। हमारी सरकार महिलाओं, युवा, किसान और गरीबों के कल्याण के लिए मिशन चला रही है। हम निरंतर बहनों की बेहतरी के लिए कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार महिला, युवा, किसान और गरीबों के कल्याण के लिये मिशन चला रही है। इनकी बेहतरी के लिये योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों की वापसी पर भारत सहमत

जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से बात की

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी दौरे पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि हम अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों नागरिकों की वापसी के लिए तैयार है। विदेश मंत्री ने इस मुद्दे पर भारत के रुख को स्थिर और सैद्धांतिक बताया। जयशंकर ने इसे लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की है। जयशंकर ने वॉशिंगटन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये जानकारी दी। कॉन्फ्रेंस के दौरान जयशंकर ने कहा, हमारा मानना है कि अगर हमारे नागरिक यहां अवैध रूप से रह रहे हैं और ये तय हो जाता है कि वे हमारे नागरिक हैं, तो उनकी वापसी के लिए हम तैयार हैं।

मुलायम पर टिप्पणी, अखिलेश बोले-जैसी संगत, वैसे ही विचार

प्रिया सरोज ने कहा-राजूदास अब तक जेल क्यों नहीं गया, महंत का पुतला फूंका

अयोध्या (एजेंसी)। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा पर अभद्र टिप्पणी का मामला तूल पकड़ने लगा है। अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास के खिलाफ सपा ने मोर्चा खोल दिया है।

लखनऊ में अखिलेश यादव ने इशारों में सीएम योगी पर निशाना साधा। कहा, जिसकी जैसी संगत होती है, उसके वैसे ही विचार निकलते हैं। इधर, जौनपुर की मछलीशहर सीट से सपा सांसद प्रिया सरोज ने कहा- इतनी घटिया भाषा का इस्तेमाल करने वाला राजू दास आखिर बाबा कैसे हो सकता है। ये अभी तक जेल क्यों नहीं गया। मऊ से सपा सांसद राजीव राय ने कहा-गेरुआ रंग, बाल-दाढ़ी से कोई संत नहीं होता है। घटिया वाणी वाले ऐसे नीच धर्म और आचरण के नाम पर कलंक है। लखनऊ, वाराणसी, बहराइच समेत कई जिलों में सपा नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। राजू दास के खिलाफ नारेबाजी की। गोरखपुर में पुतला फूंका गया। अयोध्या में सपा के जिलाध्यक्ष महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने राजू दास के खिलाफ एप्लिकेशन दी।

महाकुंभ में 27 जनवरी को होगा धर्म संसद का आयोजन

- कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर बोले-लेकर रहेंगे सनातन बोर्ड

प्रयागराज (एजेंसी)। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने गुरुवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 27 जनवरी को धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के साधु-संत, शंकराचार्य और 13 अखाड़ों के प्रमुख शामिल होंगे। इस धर्म संसद का उद्देश्य समस्त सनातनियों को एकजुट करना है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि हम सनातनियों को कोई भी अलग नहीं कर सकता। हम एकजुट थे और रहेंगे। हम लोगों ने एकता की शपथ ली है और यह शपथ हमने सभी सनातनियों के हित के लिए ली है। उन्होंने कहा कि हम यहां से सनातन बोर्ड को लेकर जाएंगे, क्योंकि यह सभी सनातनियों के हित के लिए है। हम सभी लोग अब इसकी अहमियत को समझ रहे हैं। अब हम इसे बिना मूर्त रूप दिए नहीं जाएंगे। इस बोर्ड के संबंध में पूरी रूपरेखा निर्धारित की जा चुकी है, जिसे जल्द ही जमीन पर उतारा जाएगा। देवकीनंदन ठाकुर से सनातन बोर्ड में उठाए जाने वाले मुद्दों के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने इस पर किसी भी प्रकार का जवाब नहीं दिया लेकिन, लगातार इसी बात को दोहराते रहे कि हम सभी सनातनी एक हैं। वहीं, महंत रविंद्र पुरी ने भी सनातन बोर्ड के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास पूरे देश में 9 से 10 लाख एकड़ भूमि है। आखिर यह भूमि कहां से आई। हमें इसका जवाब चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जिस तरह से मौजूदा समय में मंदिरों और मठों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है, हम उसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं और इसी को देखते हुए सनातन बोर्ड के गठन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम सनातन बोर्ड का प्रारूप तैयार कर चुके हैं और जल्द ही इसे धरातल पर उतारकर रहेंगे। लेकिन, इस प्रारूप को जमीन पर उतारने से पहले मंदिर, मठों और संतों की सहमति ली जाएगी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c
सुबह सवेरे
इंदौर ■ शुक्रवार, 24 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

व्यापारिक केंद्र इंदौर में मची रहती है मुशायरों की धूम

● साल के प्रारंभ में ही तीन बड़े मुशायरों की महफिलें
● उर्दू के आंगन में सत्तन गुरु का सम्मान

जावेद आलम, इंदौर। नव-वर्ष का दूसरा माह लगने तक इंदौर में तीन बड़े मुशायरे धूम मचा चुके होंगे। चंद रंगारंग प्रस्तुतियों और श्रोताओं की भारी भीड़ के साथ एक बड़ा मुशायरा अपनी कामयाबी की दास्तान लिख चुका है। दूसरे व तीसरे मुशायरे की तैयारियां ज़ोर-शोर से जारी हैं।

मालवा के ऐतिहासिक नगर इंदौर की पहचान देश के बड़े व्यावसायिक केंद्र के रूप में है। यहां का खानपान भी ख़ासा मशहूर है। साथ ही यह एजुकेशन हब व चिकित्सा केंद्र भी हो गया है। इनके अलावा इंदौर की पहचान एक मुशायरा-प्रेमी नगर की भी हो सकती है। बीते साल यानी सन् 2024 में ही यहां तीन बड़े मुशायरे आयोजित किए गए, जिन्होंने इंदौर के अलावा आसपास के इलाक़ों में भी धूम मचा के रख दी। इसमें छोटे स्तर पर होने वाले मुशायरे, शे'री मेहफ़िलें अलग हैं।

इधर इस साल यानी 2025 का आग़ाज़ ही एक राष्ट्रीय स्तर के मुशायरे से हुआ। एक जनवरी को 'जश्ने-राहत' के तहत मुशायरे के साथ ही राहत इंदौरी पर परिचर्चा, पुस्तकों का विमोचन, दास्तानगोई व क़व्वाली हुई। शहर के नामचीन शायर राहत इंदौरी की याद में इन कार्यक्रमों को ख़ासा प्रतिसाद मिला।

अब 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या में भी यहां एक राष्ट्रीय स्तर का मुशायरा होने जा रहा है। 'जन चेतना अभियान' के बैनर तले आयोजित होने वाला यह मुशायरा बीते लगभग दो दशकों से सतत् होता चला आ रहा है। कांग्रेस के पूर्व विधायक अश्विन जोशी की सरपरस्ती में हर साल होने वाली इस मेहफ़िले-शे'रो-सुख़न की एक बड़ी ख़ूबी, मुशायरे के दौरान लगातार जारी रहने वाला चाय व भजियों का दौर भी है। इस साल के मुशायरे में विनीत शुक्ला (चंदौसी), विवेक चतुर्वेदी

(जबलपुर), अमूल्य मिश्रा (देहली), माधवी शंकर (ग़ाज़ियाबाद) आदि के साथ भोपाल से दो शायरात परवीन कैफ़ व डॉ. अंबर आबिद भी शिरकत करने वाली हैं।

उधर एक फ़रवरी को 'क़ाफ़िला मुहब्बत का' के बैनर तले एक बड़े मुशायरे की गूंज है। इस मुशायरे-कवि सम्मेलन में इंदौर की मशहूर शख़्सियत, कवि सत्यनारायण सत्तन का सम्मान किया जाएगा। जिसका ख़ूब प्रचार किया जा रहा है। क़ाफ़िला मुहब्बत का की टीम इससे पहले बड़े और हर स्तर पर सफल मुशायरे आयोजित कर चुकी है।

ऐसे ही बीते साल हुए मुशायरे में यूनिर्सिटी ऑडिटोरियम की लाइट चली गई, मगर अर्द्ध प्रकाश में भी श्रोता हॉल छोड़ने को तैयार नहीं थे। वैकल्पिक व्यवस्था से जो लाइट व साउंड सिस्टम मुहैया हो पा रहे थे, उसी के सहारे मुशायरा जारी रहा। श्रोता डटे रहे और लगभग चार घंटे तक धुंधलके जैसे माहौल में शे'रो-शायरी का लुत्फ़ उठाते रहे। आखिर में आयोजकों को ही मुशायरा संपन्न होने की घोषणा करनी पड़ी।

युवावय कन्वीनर अम्मार अंसारी के मुताबिक़ इस बार भी मुशायरे की तैयारियां विभिन्न स्तरों पर जारी हैं। सम्मानित किए जाने वाले बुज़ुर्ग रचनाकार को, जिन्हें नगरवासी प्यार से 'सत्तन गुरु' भी कहते हैं, मुशायरागाह तक बग्घी से लाया जाएगा। उनके हमराह स्थानीय व मेहमान शायर होंगे। यह उर्दू के आंगन में हिंदी का सम्मान है। इसके लिए शहर भर में बड़े-बड़े होर्डिंग्स व बैनर लगाए जा चुके हैं। जिनमें जावेद अख़्तर, शकील आज़मी, महशर आफ़रीदी, शकील जमाली, अबरार काशिफ़, नदीम शाद, नदीम फ़र्रुख़ के नाम नुमायां हैं। गोया शहर के इतिहास में एक बार फिर एक बड़ा मुशायरा दर्ज होने जा रहा है।

नोट से भरे थे बेड गड्डियां गिनने मंगानी पड़ी मशीन

बिहार में डीईओ के घर छापेमारी में उड़े अधिकारियों के होश

पटना (एजेंसी)। बिहार के बेतिया जिले में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) रजनीकांत प्रवीण के घर पर गुरुवार सुबह विजिलेंस विभाग की टीम ने छापा मारा। इस दौरान भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई, जिसे देखकर जांच टीम हैरान रह गई। डीईओ के घर में नोटों की गड्डियां दो बेडों के अंदर छिपाकर रखी गई थीं। पटना से आई विजिलेंस टीम ने सुबह से ही जांच शुरू कर दी और पूछताछ का सिलसिला जारी है। इतनी बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के बाद नोट गिनने के लिए मशीन

मंगवाई गई। रजनीकांत प्रवीण पिछले तीन सालों से बेतिया जिले में डीईओ के पद पर तैनात हैं। उनके बसंत बिहार स्थित आवास पर पुलिस बल के साथ विजिलेंस टीम घंटों से छानबीन कर रही है। बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। इसके अलावा, उनके अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी की जा रही है। फिलहाल बरामद नकदी की कुल रकम का खुलासा नहीं किया गया है और अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। हाल के दिनों में शिक्षा विभाग में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर कई डीईओ शिकंजे में हैं।

शाह ने अहमदाबाद में किया हिंदू आध्यात्मिक मेले का उद्घाटन

कहा-हिंदू पहले इसे अपने मन में रखते थे, अब गर्व से कहते हैं 'मैं हिंदू हूं'

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 दिनों में दूसरी बार यानी 23 जनवरी को अहमदाबाद पहुंचे। यहां जीएमडीसी ग्राउंड में उन्होंने हिंदू आध्यात्मिक मेले के उद्घाटन किया। मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्य समिति सदस्य सुरेश भैयाजी जोशी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह,

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल होंगे। महापौर प्रतिभा जैन की उपस्थिति में 2000 बहनें कलश यात्रा निकाली। इस मौके पर गृहमंत्री ने कहा- आज देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। नरेंद्र मोदी हमारे प्रधानमंत्री हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार 10 साल से सत्ता में है और 10 साल में इस सरकार ने हमारी विचारधारा, विचारधारा जो कई वर्षों से लंबित थी, उसे पूरा करने का काम किया है। जब किसी को भारत में अपना परिचय देना हो, दिल्ली में अगर कोई कहना चाहे कि मैं हिंदू हूं, या फिर अगर कोई हिंदू बोलना चाहे तो भी नहीं बोल पाता था।

डिजिटल डिटॉक्स करें युवा : कानिटकर

बीयू व प्रज्ञा प्रवाह द्वारा 'यूथ एंड धर्म' का आयोजन

भोपाल। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान-विज्ञान सभागार में प्रज्ञा प्रवाह मध्य भारत प्रांत द्वारा 'यूथ एंड धर्म 2025' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस में प्रदेश के 1000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं को एक सशक्त दृष्टिकोण प्रदान करना था, जिससे वे समाज और देश के निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। मुकुल कानिटकर ने युवाओं से 'क्या दिया' पर ध्यान केंद्रित करने और डिजिटल डिटॉक्स अपनाने की अपील की, जिससे सोशल मीडिया पर निर्भरता कम हो सके। सुश्री रश्मि सामंत, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय छात्र संघ की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष ने नेतृत्व विषय पर युवाओं से संवाद किया। उन्होंने ऑक्सफोर्ड में अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को राजनीति और नेतृत्व के संबंध में प्रेरित किया। उन्होंने गीता को प्रेरणा का स्रोत बताते हुए इसे पढ़ने की सलाह दी। ऑर्गेनाइज़र के संपादक।

प्रफुल्ल केतकर ने 'कृतित्व' पर युवाओं से संवाद किया और भारतीय दर्शन में कर्म के महत्व पर प्रकाश डाला। अंतिम सत्र में सभी वक्ताओं ने सहभागिता की और युवाओं के साथ समसामयिक विषयों पर संवाद किया। इस सत्र में युवाओं ने अपने कर्तव्यों और वर्तमान मुद्दों पर प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में भारत के एकमात्र संस्कृत बैंड 'ध्रुवा बैंड' ने अपनी अनूठी संगीत प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

छात्रा को नियुक्ति पत्र वितरित

भोपाल। सरोजनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में 'बीमा सखी योजना' के अंतर्गत छात्राओं को नियुक्ति पत्र आई कार्ड्स व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। ये नियुक्ति पत्र

स्वामी विवेकानंद करियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के माध्यम से भारतीय जीवन बीमा निगम की भोपाल मंडल भेल शाखा की विकास अधिकारी श्रीमती अभिलाषा माउका ने 'बीमा सखी योजना' के अंतर्गत चयनित छात्राओं को महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डॉ. दीप्ती श्रीवास्तव ने प्रदान किए।

प्राचार्या श्रीमती श्रीवास्तव ने सभी चयनित छात्रओं को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु शुभकामनाएं दी व उनके उज्जवल भविष्य के लिए उनको कार्य करने हेतु मार्गदर्शन दिया। श्रीमती अभिलाषा माउका (विकास अधिकारी) भारतीय जीवन बीमा निगम भेल शाखा ने बताया इस योजना में नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाली छात्राओं के नाम हैं।

मनीषा अहिरवार, सौम्या राजपूत सृष्टि विश्वकर्मा, महिमा अहिरवार, सपना सूर्यवंशी, सोनम सूर्यवंशी, रवीना बंसल, सरगम माली, खुशी सैनी, भाग्यश्री मालवीय, सुमन रजक तथा शिवानी कुशवाहा, कंचन शर्मा, नेहा चौधरी तथा अनन्या।

राष्ट्रीय पर्यावरण युवा सांसद -2025: सरोजिनी नायडू कालेज में होगी

भोपाल। सरोजिनी नायडू स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल में उच्च शिक्षा विभाग के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विभागीय आदेश पर 'राष्ट्रीय पर्यावरण युवा सांसद -2025' (NEYP-2025) का आयोजन किया जा रहा है। यह युवा संसद देश भर के विभिन्न विश्व विद्यालय व महाविद्यालय में आयोजित की जाएगी। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने बताया की युवा संसद में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वकांशी परियोजना 'नदी जोड़ों अभियान' पर चर्चा की जायेगी। इस कार्यक्रम से युवाओं में पर्यावरण जैसे अति महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया जयेगा। जिससे उनमें आत्मविश्वास, वाक्यपटुता व रचनात्मक सोच का विकास होता है। कार्यक्रम महाविद्यालय सभागार में दोपहर 3:00 बजे से होगा।

चायवाले ने फैलाई पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह

● लोग ट्रेन से उतरकर ट्रैक पर खड़े थे, दूसरी ट्रेन ने कुचल दिया

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में 22 जनवरी को लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस के 23 यात्रियों को दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस ने कुचल दिया। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 घायलों का इलाज जलगांव के सिविल अस्पताल में चल रहा है। घटना के दौरान ट्रेन में मौजूद लोगों ने बताया कि आग लगने की अफवाह सबसे पहले एक चायवाले ने फैलाई थी। जिसे जनरल डिब्बे में सफर कर रहे उधल कुमार और विजय कुमार ने सुना। दोनों घबराकर चलती ट्रेन से कूद गए। इसके

बाद किसी ने चेन पुलिंग की और कुछ अन्य पैसेंजर्स भी जान बचाने के लिए ट्रेन से कूद गए। अफवाह के बाद ट्रेन में अफरातफरी का माहौल था। लोग जान बचाने के लिए ट्रेन से निकलने की कोशिश में थे। कुछ लोग ट्रैक पर कूदे तो कुछ लोगों ने दूसरे दरवाजे से छलांग लगाई जहां ट्रैक नहीं था। चश्मदीद के मुताबिक अगर ट्रैक की ओर ही बाकी लोग भागते तो हादसा और बड़ा हो सकता था। जलगांव कलेक्टरेट ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले 13 में से 10 लोगों की पहचान हो गई है। 3 की पहचान की जा रही है। कर्नाटक एक्सप्रेस से कटने के बाद कई लोगों की बॉडी टुकडों में बंट गई थी। रेस्क्यू टीम और आसपास के लोगों ने चादरों में इन टुकड़ों को इकट्ठा किया। हादसा 22 जनवरी को शाम 4.42 बजे पाचोरा स्टेशन के पास हुआ था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मारे गए यात्रियों के परिजन को 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मृतकों के परिजन को 1.5-1.5 लाख रुपए, गंभीर घायलों को 50-50 हजार और मामूली रूप से घायल लोगों को 5 हजार का मुआवजा मिलेगा।

दिल्ली, मुंबई नहीं, 17 राज्यों में बिखरे हैं करोड़ों बांग्लादेशी

● पकड़े गए बांग्लादेशियों से खुला घुसपैठ का नेटवर्क, बसाई झुग्गी बस्तियां ● महानगरों में भीख मांगने और कई क्राइम में शामिल हैं अवैध बांग्लादेशी

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद बांग्लादेशी घुसपैठिया निकला, जो बिजॉय दास नाम से मुंबई में काम करता रहा। मुंबई में एक बांग्लादेशी महिला कुलसुम शेख को भी मुंबई पुलिस ने पकड़ा है। वह 2016 से मोहिनी के नाम से शहर में रह रही थी। ऐसे ही कई बांग्लादेशी बेंगलुरु, दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और देश के कई राज्यों से पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने भारत में हिंदू नामों के लिबास में खुद को छिपा लिया। दिल्ली में आए दिन बांग्लादेशियों के पकड़े जाते हैं।

देश के कई हिस्से ऐसे हैं, जहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की डेमोग्राफी बदल गई है। आपराधिक वारदात में भी बांग्लादेशी और रोहिंग्या की शामिल होने की खबरें आती रही हैं। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी बीएसएफ पर घुसपैठ कराने के सनसनीखेज आरोप लगाए थे। रिपोर्टस के मुताबिक, कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के करीब 17 राज्यों में करीब दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था।

ई-रिक्शे पर सवार होकर दिल्ली फतह की तैयारी!

● एक लाख वोटर्स पर बीजेपी की है नजर, खेला दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'देखन में छोटे लगे घाव करे गंभीर'। यह दोहा तो आपने सुना ही होगा। दिल्ली के चुनावी रण में ऐसा लग रहा है कि बीजेपी छोटे-छोटे बाणों से ही आम आदमी पार्टी के किले को ध्वस्त करने की तैयारी में है। इसी की बानगी है दिल्ली में ई-रिक्शा चालकों का भरोसा जीतने की कोशिश। राजनीतिक पार्टियां 'आलीशान रथ' पर नहीं बल्कि 'रिक्शे' पर सवार होकर दिल्ली के सिंहासन तक पहुंचना चाहती हैं। पहले ऑटो रिक्शा चालकों का भरोसा जीतने के लिए वादों के पिटारे खोले गए। अब ई-रिक्शा चलाने वालों का विश्वास जीतने की कोशिश की जा रही है। एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ई-रिक्शा चालकों को भी वो सभी सुविधाएं मिलेंगी, जिनका वादा उनसे किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से बात करते हुए पीएम मोदी

ने साफ संदेश दिया है कि वे दिल्ली के ई-रिक्शा वालों तक यह बात पहुंचाएं कि उन्हें भी तमाम सुविधाएं मिलेंगी। बीजेपी के इस कदम से एक बात साफ है कि इस बार 'दिल्ली फतह' करने के लिए पार्टी हर उस चेक बॉक्स पर ओके करना चाहती है, जहां से वोट फिसलने की आशंका बनी रहती है। चाहे वह संख्या में कितने ही कम क्यों न हो।

पन्नू की धमकी, पंजाब सीएम ने बदला कार्यक्रम स्थल

फरीदकोट (एजेंसी)। पंजाब सीएम भगवंत मान को आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस की ओर से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद उनके गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के कार्यक्रम में बदलाव कर दिया गया है। अब वह फरीदकोट में तिरंगा नहीं फहराएंगे। हालांकि, नई जगह अभी तय नहीं हुई है। पंजाब सरकार की ओर से यह फैसला बुधवार देर रात लिया गया। इसकी पुष्टि फरीदकोट के एसपी विनीत कुमार ने की। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार कर दिया कि यह फैसला सुरक्षा कारणों से लिया गया है। फरीदकोट में अब कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल तिरंगा फहराएंगे। बता दें कि गुरुवार को एसएफजे चीफ खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सीएम मान को धमकी दी। पन्नू ने वीडियो जारी कर कहा कि जो उल्टा चलता है, उसका हश्र पूर्व सीएम जैसा होगा।

किसानों के लिए गेहूं खरीदी का पंजीयन सरल : ग्राम पंचायत से लेकर साइबर कैफे तक कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन, 50 रुपए तक शुल्क

इंदौर। मध्य प्रदेश में रबी सीजन की गेहूं खरीदी के लिए 20 जनवरी से पंजीयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बार किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पंजीयन प्रक्रिया को पहले से अधिक सरल बनाया गया है। किसानों को अब लंबी कतारों में खड़े होकर पंजीयन कराने की परेशानी नहीं होगी। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू के अनुसार, किसान निःशुल्क पंजीयन के लिए ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, सहकारी समितियां, सहकारी विपणन संस्थाओं के पंजीयन केंद्र या एमपी किसान ऐप का उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा, एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और साइबर कैफे में भी अधिकतम 50 रुपए के शुल्क पर पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के इच्छुक किसानों के लिए पंजीयन अनिवार्य है। पंजीयन कराते समय किसानों को आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। सभी पंजीयन केंद्रों को निर्देश दिया गया है कि वे पंजीयन सुविधा और निर्धारित शुल्क की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें।

इंदौर में घुसा तेंदुआ, महिलाओं पर कूदा, सड़कों पर भगदड़

इंदौर। इंदौर में शाम 4:00 बजे देवगराड़िया के पास बनी हुई मानसरोवर कॉलोनी में तेंदुआ नजर आया। तेंदुआ के अंदर आते ही भगदड़ मच गई और लोग सड़कों पर भागने लगे। बहुत देर तक तेंदुआ मानसरोवर कॉलोनी की सड़कों पर दौड़ लगाता रहा और छतों पर नजर आया। कुछ देर के बाद वह गायब हो गया। पुलिस फोर्स ने इंदौर की मानसरोवर कॉलोनी और उसके आसपास के क्षेत्र के लोगों को घरों के अंदर रहने का कहा है। तेंदुए की सर्चिंग जारी है। वन विभाग की टीम कई स्तर पर सर्चिंग कर रही हैं।

पत्नी से परेशान होकर फोटोग्राफर ने दी थी जान, अब पता चला राजस्थान पुलिस भी मांग रही थी रुपये

इंदौर। नितिन पड़ियार (इवेंट फोटोग्राफर) आत्महत्या केस बेंगलुरु के अतुल सुभाष (इंजीनियर) से मिलती-जुलती है। नितिन पत्नी हर्षा, साली मीनाक्षी, वर्षा और सास सीता से तंग आ चुका था। उस पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज करवा दिया। राजस्थान पुलिस के पुलिसकर्मी भी नितिन को थाने बुलाकर प्रताड़ित करने लगे। न्यू गोविंद कॉलोनी (बाणगंगा) निवासी 27 वर्षीय नितिन बाबूलाल पड़ियार फोटोग्राफी के साथ कैफे चलाता था। उसने सोमवार रात 14 पन्नों का सुसाइड नोट लिख कर घर में फांसी लगाकर जान दे दी।

लव मैरिज की थी, शादी के 6 महीने बाद ही परेशान करने लगी- नितिन के भाई सूरज के मुताबिक उसने हर्षा से प्रेम विवाह किया था। हर्षा शादी के छह माह बाद ही परेशान करने लगी। परिवार से अलग कर दिया। गुस्सा कर मायके (राजस्थान) चली गई। हर्षा ने नितिन (पति), सूरज (जेठ), राधा (सास) दहेज प्रताड़ना का केस लगाया और समझौता के लिए 20 लाख रुपये मांगने लगी। पुलिसवाले राधा और सूरज को बाहर करने के बदले नितिन से 50 हजार रुपये मांगते थे। टीआई सियारामसिंह गुर्जर के मुताबिक स्वजन के कथन ले रहे हैं। राजस्थान में दर्ज केस की भी जानकारी लेंगे। जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

शहर में 100 की रफ्तार से कार दौड़ाई

चार गाड़ियों को रौंदा ; एटीएम और कॉस्मेटिक्स शॉप में घुसा दी, 3 युवक पकड़ाए

इंदौर। इंदौर के सदर बाजार इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर खड़ी चार गाड़ियों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद कार फुटपाथ पर चढ़कर एक दुकान और एटीएम में जा घुसी। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग बाहर निकल आए। कार में सवार पांच में से दो युवक मौके से भाग गए, जबकि तीन को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। यह हादसा सदर बाजार इलाके की बाम्हबाग कॉलोनी में रात करीब ढाई बजे हुआ। स्थानीय निवासी किरण दासी ने बताया कि उनकी कास्मेटिक्स शॉप के पास एक तेज रफ्तार कार ने तीन एक्टिवा और एक बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ियां पूरी तरह चकनाचूर हो गईं। इसके बाद कार दुकान के फुटपाथ पर चढ़ते हुए एटीएम में जा घुसी। रहवासियों के मुताबिक, कार की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटे से अधिक थी। कार में सवार सभी पांच युवक नशे की हालत में थे। हादसे के बाद दो युवक भाग गए, लेकिन गुस्साए लोगों ने तीन युवकों को पकड़ लिया। इनमें से एक युवक का नाम आदित्य बताया जा रहा है। कार में सवार पांच में से तीन को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों ने तीनों युवकों को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों पर कार्रवाई की बात कही है। हादसे में भारी नुकसान हुआ हैं।

इंदौर में शुरू हुई मालिक्यूलर लैब, गर्भ में पता कर रहे बच्चे को सिकल सेल तो नहीं

इंदौर। आदिवासी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे सिकल सेल के मरीजों की संख्या कम करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसके अंतर्गत प्रदेश की पहली आधुनिक मालिक्यूलर लैब एमवाय अस्पताल में शुरू हो गई है। इसमें अब गर्भ में ही पता कर रहे हैं कि बच्चा सिकल सेल से पीड़ित तो नहीं है। सिकल सेल बीमारी का कोई ईलाज नहीं है। ऐसे में माता-पिता को बच्चे की देखभाल करने में काफी समस्या होती है। एमवायएच में स्थापित लैब देश के चुनिंदा मेडिकल कालेजों में ही है। बता दें कि भारत सरकार की योजना के हिसाब से 2047 में सिकल सेल का उन्मूलन किया जाना है। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत संभाग के धार, झाबुआ, आलीराजपुर आदि जिलों में सिकल सेल का सर्वे चल रहा है। इसी के तहत ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग को मरीजों को सुविधा देने के लिए लैब शुरू की गई है।

माता-पिता पीड़ित तो बच्चे को भी सिकल सेल की आशंका

अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि मालिक्यूलर लैब में सिकल सेल से पीड़ित बच्चों को आधुनिक सुविधा दी जा रही है। बोनमैरो ट्रांसप्लांट भी किया जा रहा है। यदि माता-पिता दोनों को सिकल सेल बीमारी है तो उनके बच्चों को इसके होने की आशंका अधिक होती है। ऐसे में गर्भस्थ भ्रूण की जांच कर पता लगाने की कोशिश मालिक्यूलर स्तर पर की जा रही है कि गर्भ में पल रहा बच्चा सिकल सेल से पीड़ित तो नहीं है। इसका उद्देश्य सिकल सेल के नए मरीजों की संख्या में कमी लाना और पीड़ित मरीजों को आधुनिक उपचार देना है।एमवायएच में वर्तमान में सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित 1400 मरीज रजिस्टर्ड है। इनमें सबसे अधिक मरीज झाबुआ-आलीराजपुर जिले के हैं।

प्रदेश के पांच जिलों में 75 प्रतिशत मरीज

भारत में जनजातीय आबादी में लक्षणों की व्यापकता लगभग 10 प्रतिशत है और रोग की व्यापकता एक प्रतिशत है। मध्य प्रदेश के 45 में से 27 जिले सिकल सेल जोन में आते हैं। प्रदेश में सिकल सेल के 75 प्रतिशत मरीज आदिवासी जिले आलीराजपुर, अनूपपुर, छिंदवाड़ा, झाबुआ और डिंडौरी के हैं।

प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति करने वाले थे लैब का उद्घाटन- मालिक्यूलर लैब के वचुर्अल उद्घाटन करने की संभावना 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति से जताई जा रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसके बाद अस्पताल ने एक जनवरी से अपने स्तर पर ही इससे जांच शुरू कर दी।

हवाई यात्रियों के लिए अच्छी खबर

समर सीजन में इंदौर से सीधे जुड़ सकते हैं भुवनेश्वर और जेवर एयरपोर्ट

इंदौर। इंदौर से लगातार कई शहरों के लिए सीधी उड़ान की सुविधा शुरू हो रही है। दो माह बाद शुरू होने वाले समर सीजन में इंदौर से भुवनेश्वर और नोएड़ा के जेवर एयरपोर्ट के लिए सीधी उड़ानें शुरू हो सकती है। विमान कंपनियों ने इसके लिए इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन से संपर्क किया है। इससे इंदौर और आसपास के शहरों से ओडिशा और नोएड़ा जाने वाले यात्रियों को फायदा होगा और उनके समय की बचत भी होगी। हालांकि अभी शेड्यूल जारी नहीं हुआ है, लेकिन विमान कंपनियों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

इंदौर से देश के कुछ एयरपोर्ट तक सीधी उड़ान सेवाएं शुरू होगी- ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन आफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन का कहना है कि ओडिशा के लिए इंदौर से सीधी कनेक्टिविटी नहीं है। यहां पर्यटन, धार्मिक यात्रा के साथ ही बीजनेस के लिए बड़ी संख्या में लोग जाते हैं। ऐसे में सीधी कनेक्टिविटी से लोगों को बड़ा फायदा होगा।

श्रृद्धालुओं को मिलेगा फायदा- इंदौर से भुवनेश्वर के लिए सीधी उड़ान शुरू होने से जगन्नाथपुरी जाने वाले श्रृद्धालुओं को बड़ा फायदा होगा। भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों की पहुंच आसान होगी। सीधी उड़ान से भुवनेश्वर जाने के बाद बस या ट्रेन से यात्रा कर महज डेढ़ घंटे में पूरी पहुंचा जा सकेगा। इससे इंदौर और आसपास के लाखों श्रृद्धालुओं की राह आसान होगी।

पुलिस को चकमा देने बदमाशों ने मुंडवाया सिर, अब पकड़ में आए तो ढोल-नगाड़ों संग निकाला जुलूस

इंदौर। रीजनल पार्क में पुलिसवालों पर हमला करने वाले सात बदमाशों को राजेंद्र नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को चकमा देने के लिए आरोपित सिर मुंडवा कर फरारी काट रहे थे। पुलिस ने आरोपितों की पिटाई की व रीजनल पार्क ले गई। यहां ढोल-नगाड़ों के साथ सातों का जुलूस निकाला। शर्म के मारे सिर झुकाए बदमाश रास्तेभर कान पकड़कर माफी मांगते रहे। डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीणा के मुताबिक घटना रविवार रात की है। आरोपित शुभम युवाओं की भीड़ लगाकर जन्मदिन मना रहा था। रहवासियों ने कंट्रोल रूम पर कॉल कर बताया कि युवक शराब के नशे में हथियारों का प्रदर्शन कर रहे हैं। सिपाही राहुल और पवन समझाने गए तो जवानों से धक्का-मुक्की की और शासकीय वाहन (बाइक) में तोड़फोड़ कर दी।

इन पर दर्ज हुआ केस- पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट का केस दर्ज कर मंगलवार रात रोहित उर्फ अक्कू बटला पुत्र कालू सोलंकी नगर, लाला उर्फ सिकंदर पुत्र जगदीश सांवले, अर्जुन उर्फ गोलू पुत्र चुन्नीलाल गंगारे निवासी महादेव नगर, विक्की पुत्र हीरू नायक, अभिषेक पुत्र कोमल ओसवाल निवासी राजरानी नगर, सचिन पुत्र मोहनलाल मंडलोई निवासी छापरी और भोलू पुत्र मोहन कराले निवासी गणगौर नगर को पकड़ लिया।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का बड़ा आदेश : डॉ. देशराज जैन के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश, प्रिंसिपल पद विवाद पर फैसला

इंदौर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने प्रदेश के एकमात्र गवर्नमेंट ऑटोनोमस डेंटल कॉलेज, इंदौर के पूर्व प्राचार्य डॉ. देशराज जैन के खिलाफ महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। कोर्ट ने पाया कि डॉ. जैन द्वारा वर्ष 2018 में की गई दंत चिकित्सा महाविद्यालय मुख एवं जबड़ा सर्जरी विभाग की भर्ती प्रक्रिया में इंदौर डिवीजन के कमिशनर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में घोर अनियमितताएं पाई गई हैं। यह जांच रिपोर्ट 9 मार्च 2024 को शासन को भेजी गई थी, जिसमें स्पष्ट किया गया कि डॉ. जैन ने भर्ती प्रक्रिया में अनियमित आचरण किया है। कोर्ट ने आदेश में यह भी उल्लेख किया कि इस जांच के बाद शासन ने अब तक डॉ. जैन के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं की है। इस पर चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच ने शासन को आदेश दिया कि वह चार हफ्तों में डॉ. जैन के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करें और मामले की गंभीरता के अनुसार उचित कदम उठाएं। इस आदेश के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि हाई कोर्ट ने प्रशासनिक तंत्र को सक्रिय रूप से कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है ताकि विभागीय कर्तव्यों और नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, कोर्ट ने डॉ. संध्या जैन की याचिका भी खारिज कर दी। डॉ. देशराज जैन के रिटायर होने के बाद उनकी पत्नी डॉ. संध्या जैन को कॉलेज की प्रिंसिपल नियुक्त किया गया था। हालांकि, शासन ने 8 जनवरी 2025 को उन्हें कार्यमुक्त कर दिया और प्रिंसिपल का प्रभार डॉ. अलका गुप्ता को सौंपा। इसके बाद दोनों के बीच प्रिंसिपल पद को लेकर खींचतान चल रही थी, और डॉ. जैन ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने मौजूदा प्रिंसिपल डॉ. अलका गुप्ता को बने रहने का आदेश दिया, जिससे दोनों डॉक्टरों के बीच गफलत की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। वे अलग-अलग केबिन में काम कर रहे थे और दस्तावेजों पर साइन कर रहे थे। 20 जनवरी को हुई सुनवाई में डॉ. जैन की ओर से रिज्वाइंडर पेश किया गया, लेकिन 22 जनवरी को कोर्ट ने डॉ. जैन की याचिका खारिज करते हुए डॉ. अलका गुप्ता को प्रिंसिपल बने रहने का आदेश दिया। अब डॉ. अलका गुप्ता कॉलेज की प्रिंसिपल हैं।

इंदौर में एक महीने में बदली नाले की सूरत

अब यहां पर होगी महापौर परिषद की मीटिंग

इंदौर। नवाचार के लिए पहचाना जाने वाला इंदौर नगर निगम लगातार कोई न कोई ऐसा नवाचार करता है जो न केवल शहर की सूरत बदल देता है बल्कि दूसरे शहरों के लिए भी एक मिसाल बन जाता है। इस बार नगर निगम ने बड़ा गणपति क्षेत्र के समीप बरसों से सड़ांध मारते पीलियाखाल नाले को साफ करने का बीड़ा उठाया और अपनी मेहनत और संकल्प शक्ति के दम पर एक महीने के प्रयासों से उसे ऐसा कर दिया है जहां महापौर परिषद की बैठक करने की बात कही जा रही है।

महापौर ने किया निरीक्षण

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार को पीलियाखाल नाला सफाई कार्य एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान पार्षद भरतसिंह रघुवंशी, संध्या जायसवाल, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी उपस्थित थे।

बारिश का पानी जमा होता था

निरीक्षण के दौरान ही महापौर ने अगली महापौर परिषद बैठक यहां आयोजित करने की मंशा जाहिर की। गौरतलब है कि पीलियाखाल नाले में वर्षा जल

संग्रहित होता था। यहां बड़ी मात्रा में गाद एवं गंदगी भी थी। पिछले दिनों नाले की सफाई और सुंदरीकरण के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद बुधवार को महापौर कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने नाले किनारे पिचिंग कार्य को तेजी से करने, सूखे नाले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के संबंध में निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि सबकुछ योजना अनुसार हुआ तो अगली महापौर परिषद बैठक पीलियाखाल के सूखे नाले में आयोजित की जाएगी।

चार पोकलेन, चार हाइवा मशीन की मदद से चला अभियान- पीलियाखाल नाले की सफाई के लिए निगम वर्कशाप विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने 15 दिसंबर 2024 से विशेष अभियान शुरू किया था। इसके तहत नाले की सफाई और गाद निकालने का काम चार पोकलेन और चार हाइवा मशीन की मदद से हुआ। सतत काम करते हुए एक माह में पीलियाखाल के गीले नाले को सूखा किया गया।

इंदौर में मास्टर प्लान की सड़कों को लेकर लिए सुझाव

विजयवर्गीय बोले- क्वालिटी से नहीं होगा समझौता; हर 15 दिन में समीक्षा करें महापौर

इंदौर। इंदौर शहर की मास्टर प्लान की सड़कों को लेकर सिटी बस ऑफिस में गुरुवार को बैठक हुई। जनप्रतिनिधियों से लेकर नगर निगम और जिला प्रशासन के कई अधिकारी इसमें शामिल हुए। बैठक में सभी से सुझाव लिए गए।साथ ही अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। इस बैठक में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर आशीष सिंह, आयुक्त शिवम वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, नगर निगम और प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। मीडिया से चर्चा करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि, नगर निगम और जिला प्रशासन के साथ बैठकर सभी जनप्रतिनिधियों के साथ सुझाव कर शहर का विकास कैसा हो इसका मार्गदर्शन हमने लिया है। सड़कों के लगभग 500 करोड़ के टैंडर हो चुके हैं। भविष्य में 500 करोड़ की सड़कों की और प्लानिंग है।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि, सीएम डॉ.मोहन यादव इंदौर आएंगे। उनके साथ सारी सड़कों का भूमिपूजन कराएंगे। शहर में विकास तेज गति से हो, क्वालिटी सड़कें बने, इस बात के निर्देश हमने नगर निगम को दिए हैं। महापौर से आग्रह किया है कि, हर 15 दिनों में वे निर्माण कामों की समीक्षा करें। जो भी सड़कें बने, वहां के ठेकेदार का नाम, जो सुपर विजन करने वाला हो, उसका नाम-नंबर भी लिखे। थर्ड पार्टी एजेंसी भी जो उसका सुपर विजन करेगी। हम क्वालिटी से कॉम्प्रोमाइज नहीं चाहते हैं। क्वालिटी सड़कें बने, क्वालिटी पाइप लाइन बिछे, क्वालिटी ड्रेनेज का काम हो, इस दिशा में हम लोग काम कर रहे हैं।

51 लाख पौधे लगाने की प्लानिंग

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि, एसटीपी के पानी का उपयोग अच्छे से अच्छा हो, इसके लिए हमने 12 करोड़ रुपए की रेवती रेंज के लिए स्वीकृति प्रदान की है। रेवती रेंज में हम पानी ले जाएंगे। 12 लाख 40 हजार पौधों को जिंदा रखने के लिए। ये भी एक रिकॉर्ड बनेगा।

विधायक ने की बर्थ डे होर्डिंगों से तौबा, चौराहे पर लगे होर्डिंग खुद खड़े होकर निकलवाए

इंदौर। तीन नंबर के भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के समर्थक भी हर साल उनके जन्मदिन पर बैनर पोस्टर लगाते है, लेकिन इस साल गोलू ने उन्हें होर्डिंग बनैर लगाने से मना कर दिया। इंदौर में पिछले साल अपना जन्मदिन धूमधाम से मनाने वाले भाजपा विधायक गोलू शुक्ला ने इस बार जन्मदिन के होर्डिंगों से तौबा कर ली है। वे गुरुवार सुबह मरीमाता चौराहे पर समर्थकों द्वारा लगाए गए होर्डिंग खुद निकलवाने पहुंचे। उन्होंने निगमायुक्त से भी कहा कि शहर में जहां भी उनके जन्मदिन के होर्डिंग दिखाई दे, वे उसे निकलवा सकते है। पार्षद जीतू यादव कांड के बाद भाजपा के नेता अब अपने जन्मदिन पर ज्यादा धूम-धड़ाका करने से बच रहे है। दरअसल तीन माह पहले जीतू यादव ने भी अपने जन्मदिन पर पूरे शहर में अवैध होर्डिंग लगा दिए थे और गलियों में डीजे की शोर करती गाड़ियां भी घुमवाई थी। जन्मदिन पर उसके इस कदम को शहर के प्रबुद्धजनों ने उचित नहीं माना था। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने तब अवैध होर्डिंगों को हटाने के निर्देश दिए थे, हालांकि दो नंबर विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में रिमूवल गैंग जीतू के दबाव में अवैध होर्डिंग हटा नहीं पाई थी। तीन नंबर के भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के समर्थक भी हर साल उनके जन्मदिन पर बैनर पोस्टर लगाते है, लेकिन इस साल गोलू ने उन्हें होर्डिंग बनैर लगाने से मना कर दिया।

संपादकीय

जलगांव रेल हादसा: नया सबक

गुरूवार को जलगांव के पास हुए रेल हादसे में 13 यात्रियों की मौत इसलिए भी विचलित करने वाली है, क्योंकि अगर चलती गाड़ी में कोई अफवाह फैल जाए तो सही जानकारी देने वाला कोई नहीं है। भारत में रेल हादसा कोई नई बात नहीं है। अमूमन हर माह एक न एक हादसा होता ही है। हालांकि जलगांव में जो दुर्घटना हुई, उसमें सीधे तौर पर रेलवे की लापरवाही नहीं दिखती। लेकिन यात्रियों को सही बात बताना वाला भी कोई सिस्टम नहीं था। जो जानकारी अब तक सामने आई है, उसके मुताबिक गुरूवार को यह हादसा तब हुआ, जब 12533 लखनऊ-मुंबई पुष्पक एक्सप्रेस में सवार यात्री गाड़ी में आग लगने के डर से जल्दबाजी में बगल की पटरियों पर कूद गए और बंगलूरू से दिल्ली जा रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। दुर्घटना उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव जिले के पचोरा कस्बे के निकट माहेजी और परधाड़े स्टेशन के बीच हुई। हादसे में 15 लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना उस समय हुई, जब शाम करीब 4:45 बजे किसी ने चेन खींच दी, जिसके बाद पुष्पक एक्सप्रेस रुक गई। रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने इस बात से इनकार किया कि डिब्बे के अंदर किसी चिंगारी या आग के कारण यात्रियों ने अलार्म बजाया। हमें जो सूचना मिली उसके अनुसार कोच में कोई चिंगारी या आग नहीं देखी गई। इस बीच स्विटजरलैंड के दावोस से एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ट्रेन में कुछ यात्रियों ने गलती से मान लिया कि ट्रेन से धुआं निकल रहा है और वे कूद गए। दुर्भाग्य से वे दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए। उन्होंने इस त्रासदी में मारे गए यात्रियों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। सेंट्रल सर्किल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त दुर्घटना के कारणों की जांच करेंगे। मुख्यमंत्री के अलावा रेलवे बोर्ड ने अलग से मृतकों के परिजनों को 1.5-1.5 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों के लिए 5 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुर्घटना में मारे गए यात्रियों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। यहां मूल सवाल यह है कि गाड़ी में आग लगने की अफवाह फैली कैसे? इस संदर्भ में एक प्रत्यक्षदर्शी ने एक मराठी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि पुष्पक एक्सप्रेस में जब ब्रेक लगाए गए तो कुछ यात्रियों ने ट्रेन के पहियों से चिंगारियां निकलती देखीं, जिसके बाद वे घबरा गए। फिर कुछ यात्रियों ने आपातकालीन चेन खींच दी और पटरी पर उतर गए, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। इस पर रेल अधिकारियो का कहना है कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुष्पक एक्सप्रेस के एक सामान्य कोच में 'हॉट एक्सल' या 'ब्रेक बाइंडिंग' (जामिंग) के कारण चिंगारी और धुआं निकला था। हादसे से जुड़ा दूसरा सवाल यह है कि पुष्पक एक्स से कूदे यात्रियो को दूसरी ओर से आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस क्यों नहीं दिखाई दी। अगर दिखाई देती तो तुरंत ट्रैक से भागकर जान बचा सकते थे। इस बारे में भी रेल सूत्रो का कहना है कि संभवत~ दुर्घटना स्थल पर घुमावदार ट्रैक होने के कारण कर्नाटक एक्सप्रेस की दृश्यता प्रभावित हुई। जिसके चलते ये हादसा हुआ। रेल अधिकारियो का यह भी कहना है कि कर्नाटक एक्सप्रेस के ड्राइवर ने हादसा रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन जब तक रेल के ब्रेक लगते, दो दर्जन से ज्यादा लोग ट्रेन के नीचे आ चुके थे।

ट्रंप की वापसी के बाद भारत के हितों की दिशा

अमेरिकी इतिहास में ट्रंप इसलिए अपना ऐतिहासिक दांव पहले दिन से ही दर्ज करने की कोशिश करेंगे, यह तो तय है। व्यवहारिक रूप से डोनाल्ड ट्रंप की अपनी यह विशेषता रही है कि वह जिद्दी इंसान हैं। वह स्वाभिमानी हैं। वह निर्णय लेने में सर्वदा सक्षम हैं। वह लोगों के बीच लोकप्रियता अर्जित करने में भी माहिर हैं। ट्रंप सरकार की इस महारत के साथ चलने वाली डोनाल्ड ट्रंप दूसरी पारी की सरकार सबके लिए अभी आश्चर्य के अनेक संभावनाओं को लेकर विभिन्न प्रश्न के साथ उपस्थित है। किसी को अंदाज़ा नहीं है कि इस नई सरकार के माध्यम से क्या होने वाला है। सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के कयास विशेषज्ञों द्वारा लगाये जा रहे हैं जो अमेरिका के भीतर भी लगाये जा रहे हैं और बाहर भी।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

अमेरिका की फिज़ा बदल गयी है। डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी, 2025 को 47वें राष्ट्रपति के रूप में पूरी गर्मजोशी से शपथ ली। विश्व में ट्रंप के वापसी पर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल से हटकर इस कार्यकाल को सम्हालने का साकेत दे दिया है। उन्होंने आते ही अपने देश के बहुत से मजूद कानूनों को बदलकर अमेरिका में नया अमेरिका बनाने का संकल्प दुहरा दिया है। विगत एक दशक में बहुत से बदलाव हुए और ट्रंप ने उन बदलावों के बीच खुद अनेक उतार-चढाव देख लिए। बायडेन के साथ अमेरिका में जो थोड़ी बहुत शिथिलता आई थी, उसे निश्चय ही डोनाल्ड ट्रंप सक्रिय करके नई लकीर खींचना चाहेंगे।

यह वर्ष इस सदी का 25वां वर्ष है। ट्रंप अब से अपने कार्यकाल के लिए जब बढ़ रहे हैं तो वह कहेंगे कि उनके देश को पूरा विश्व गंभीरता से ले। विश्व में युद्ध और संकट के जो बादल हैं, वे भी अमेरिकी हिसाब से नए मोड़ लें। रूस, चीन और भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों के साथ वह अब समझ गए हैं कि कैसे रिश्ते रखने होंगे। विगत कार्यकाल के बाद एक ब्रेक और ब्रेक के बाद फिर वापसी करना डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक इच्छाशक्ति और उनके नेतृत्व, वक्तृत्व कला के कारण संभव हुआ है। इस बार ट्रंप ने अपने मंत्रीमंडल में उन लोगों को जगह दे रहे हैं जो उनके मुताबिक विश्व में अमेरिका के नए मॉडल को प्रस्तुत करे। सबसे अहम् उनकी कोशिश यह है कि बायडेन सरकार से भिन्न कुछ अमेरिका के लिए किया जाए जिससे उनकी उपस्थिति को अमेरिका के लोग महसूस कर सकें। उन्होंने अपने शपथ समारोह में जो लच्छेदार भाषण दिया वह ट्रंप का भाषण सबके बीच तालियाँ बटोरने के लिए काफी माना गया। लेकिन ट्रंप अब यह चाहेंगे कि विश्व में बदलाव के बीच अमेरिकी धमक लोग महसूस करें। लोगों के बीच भी अपनी प्रासंगिकता बने।

अमेरिकी इतिहास में ट्रंप इसलिए अपना ऐतिहासिक दांव पहले दिन से ही दर्ज करने की कोशिश करेंगे, यह तो तय है। व्यवहारिक रूप से डोनाल्ड ट्रंप की अपनी यह विशेषता रही है कि वह जिद्दी इंसान हैं। वह स्वाभिमानी हैं। वह निर्णय लेने में सर्वदा सक्षम हैं। वह लोगों के बीच लोकप्रियता अर्जित करने में भी माहिर हैं। ट्रंप सरकार की इस महारत के साथ चलने वाली डोनाल्ड ट्रंप दूसरी पारी की सरकार सबके लिए अभी आश्चर्य के अनेक संभावनाओं को लेकर विभिन्न प्रश्न के साथ उपस्थित है। किसी को अंदाज़ा नहीं है कि इस नई सरकार के माध्यम से क्या होने वाला है। सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के कयास विशेषज्ञों द्वारा लगाये जा रहे हैं जो अमेरिका के भीतर भी लगाये जा रहे हैं और बाहर भी। डिप्लोमेसी को समझने वाले यह मानते हैं कि इस सदी का यह ट्रंप कार्यकाल दुनिया के सभी राज्यों के बीच कुतूहल बना रहेगा और विश्व में व्यापक स्तर पर नए प्रतिमान बनेंगे जो कि ट्रंप सरकार द्वारा बनाया जाएगा। इसके लिए विश्व के राष्ट्राध्यक्षों व समस्त आबादी को तैयार रहना चाहिए।

भारत के लिए ट्रंप- भारत के लिए अमेरका में हुए बदलाव के बारे में कोई भविष्यवाणी ठीक नहीं होगी। भारत में ट्रंप कुछ ज्यादा ही जाने-समझे जा रहे हैं। इसकी वजह से नए-नए दावे व भविष्यवाणियाँ की जा रही हैं जो कि

ज़ल्दीबाजी है। हाउडी मोदी से लेकर अबकी बार ट्रंप सरकार जैसे रिश्ते अब कितना बचे हैं, यह भी तो आने वाला समय बताएगा। भारत सरकार को इसलिए इस बीच अपनी तटस्थ भाव से डिप्लोमेटिक स्ट्रेंथ को बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। हमारे बीच में द्विपक्षीय संबंध बिलकुल अच्छे हैं। अमेरिका और भारत मित्र देश हैं। इस मैत्री को बहुत ही सूक्ष्मता से समझते हुए कोई भी पहल की जानी चाहिए।

भारत के प्रधान मंत्री की आने वाले दिनों में डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक मुलाकात तक तो बहुत ही संजीदगी से कोई स्टेटमेंट देना चाहिए क्योंकि ट्रंप अब इस बार नए तरीके से दुनिया को देखने की कोशिश में हैं, यह उनके पहले भाषण से ही स्पष्ट हो गया। हमारे आर्थिक पक्ष और सांस्कृतिक पक्ष के साथ इमिग्रेशन और बीजा को लेकर जो भी पॉलिसीज भविष्य में सहयोगी साबित हो, इसके लिए पहले से योजना भारत के पक्ष में हो सकती है। भारत को संयुक्त राष्ट्र का वीटो पॉवर भी अर्जित करना है। इसके लिए अमेरिका ने कई बार भारत के पक्ष में लिबरल होकर समर्थन करता रहा है। अब भी भारत के लिए अनुकूल ही सामय है। अमेरिकी संबंध को समृद्ध बनाकर हमारे देश का रास्ता संयुक्त राष्ट्र के लिए आसान होगा। यद्यपि रूस का हमें समर्थन पहले मिला है लेकिन चीन के प्रति अमेरिकी झुकाव हमारे सिक्योरिटी काउंसिल के रास्ते रोक सकते हैं, इसके लिए पहले से तैयार रहने की आवश्यकता है।

विश्व में निरंतर हो रहे युद्ध में भारत की शांतिपूर्ण ढंग से शांति के लिए किये जाने वाले प्रयास से संयुक्त राष्ट्र में भारत की दावेदारी मजबूत होने वाली है। इसलिए अमेरिकी मैत्री के साथ वैश्विक स्तर पर व्याप्त अस्थिरता, अशांति के खिलाफ भारत को मुखर होकर कार्य करने की आवश्यकता है। इससे भारत विश्व मंच पर अपने आपको मजबूत करेगा। अमेरिका की यह मजबूरी होगी कि वह भारत का साथ दे क्योंकि अमेरिका कभी नहीं चाहेगा कि उसे कोई भी देश खलनायक देश के रूप में देखे।

ट्रंप के बड़े फैसले- ट्रंप 2.0 का सबसे बड़ा फैसला चौंकाने वाला है। ट्रंप परिवर्तन को नए अंदाज़ में सामने रखे हैं। एक गैर-अमेरिकी माता-पिता के बच्चों को जन्म के साथ अपने आप मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता के प्रावधान को ख़त्म कर ट्रंप यह चाहते हैं कि अमेरिकी हिसाब से अमेरिकी लोगों के अभीष्ट को हासिल किया जाए। अब जो उनके फैसले में सम्मिलित है, वह है अमेरिका में पैदा हुए बच्चे की मां यदि अवैध रूप से वहां रह रही हो या पिता अगर बच्चे के जन्म के समय अमेरिका का नागरिक या वैध स्थायी निवासी न हो या बच्चे के जन्म के समय मां अमेरिका की वैध, लेकिन अस्थायी निवासी हो या पिता, बच्चे के जन्म के समय अमेरिका के नागरिक या वैध स्थायी निवासी न हो तो ऐसे में अमेरिकी नियम कानून उन पर लागू हों और नागरिकता की अवैध आवाजाही प्रतिबंधित कर दी जाए। पूरी दुनिया को एक बार में समझ लेना चाहिए कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अवैध आप्रवासियों के लिए क्रिमिनल एलियन शब्द बोला, तो इसके क्या मायने हैं।

हालांकि इस अनागरिकता के विमर्श में ट्रंप असफल भी हो सकते हैं। उन्हें मैक्सिको से श्रमिकों की मदद लेनी पड़ेगी। रिमेन इन मेक्सिको अमेरिका में आने वाले शरणार्थियों के लिए मेक्सिको में इंतजार के बदले बलात्कार, अपहरण और लूटपाट जैसी घटनाएं विश्व में चर्चा की विषय बनीं इस नीति से अमानवीय बर्ताव का ट्रंप क्या करेंगे, उन्हें सोचना होगा। आप्रवासन की व्यापक चर्चा के बीच भारत की चिंता भी भारतीय अप्रवासी कर रहे हैं। अमेरिका में करीब 54 लाख भारतीय रहते हैं, जो अमेरिका की आबादी का 1.47 फ़ीसदी रहते हैं। इनमे से लगभग दो तिहाई लोग फर्स्ट जेनरेशन इमिग्रेंट्स हैं अर्थात परिवार में सबसे पहले वही अमेरिका गए। शेष अमेरिका में जन्में नागरिक हैं। एच-1 बी वीजा के सवाल को लेकर भी अनेक द्विधा है। हो सकता है यह अन्य देशों को बुरा लग रहा हो लेकिन ट्रंप करें तो क्या करें। जब अमेरिकी इमिग्रेशन और कस्टम इनफोर्समेंट के पास पहले से ही अवैध आप्रवासियों के ऐसे 6,60,000 केस लंबित पड़े हैं जिन पर आपराधिक मामले हैं। आप्रवासियों के 70 लाख से भी अधिक केस हैं। ट्रंप के लिए यह तो समस्या है ही, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। ऐसे में ट्रंप का इस प्रकार का फैसला लेना लाजमी है।

बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से भी अमेरिका में ट्रंप सरकार कई बड़े फैसले ले रही है। लेकिन ट्रंप का विश्व स्वास्थ्य संगठन में निवेश से हाथ खींचना, पेरिस समझौते में प्रतिभागिता से हाथ खींचना, यह दुनिया के लिए भी असहज व गंभीर मसला है। सब मिलाकर देखा जाए तो ट्रंप 2।0 ने पूरी दुनिया में हलचल पैदा कर दिया। कुछ फैसले जो अभी आए हैं, वे दिख रहे हैं लेकिन जो आने वाले हैं, उन पर भारत को सतर्क रहना ज़रूरी होगा।

बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता जरूरी

मुद्दा

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में ग्लोबल हेल्थ स्पैन शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने खुलकर चर्चा की। सम्मेलन में सबसे अहम बात बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता के रूप में उभरकर सामने आई। सम्मेलन में करीब दो हजार से अधिक वैज्ञानिक, उद्यमी, नीति निर्माता और विचारक एकत्रित हुए। उन्होंने बुजुर्ग होते समाज के भविष्य के समक्ष आने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नों पर गहनता से चर्चा की। उनका कहना है कि दुनिया में स्वस्थ वृद्धावस्था के अप्रयुक्त अवसरों के साथ-साथ उभरते हस्तक्षेप, प्रौद्योगिकी, नीतिगत परिवर्तन और भविष्य के लिए आवश्यक निवेश पर खुलकर चर्चा की जानी चाहिए। सम्मेलन में यह बात भी सामने आई कि आज वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 73.4 वर्ष है, जिसके बढ़कर सौ साल होने की उम्मीद की जा सकती है।

वक्ताओं ने कहा कि जीवन प्रत्याशा में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद हमारे जीवन के अंतिम वर्ष अक्सर दीर्घकालिक बीमारी में गुजर रहे हैं। उम्र बढ़ने के साथ कई पूर्वाग्रह और बुढ़ापे को सामाजिक और आर्थिक बोझ के रूप में पेश करने की कहानी सामने आ रही है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जॉन आर. बियर्ड ने कहा कि कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्ध आश्रितों की संख्या का अनुपात नकारात्मक धारणाओं को मजबूत करता है और समाज में वृद्ध वयस्कों के सार्थक योगदान को नजरअंदाज करता है। अमेरिका और यूरोप में वृद्ध वयस्क भुगतान किए गए काम, स्वयं सेवा और देखभाल के माध्यम से सकल घरेलू उत्पाद का अनुमानित सात फीसदी योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि वृद्ध आबादी आर्थिक स्थिरता और नवाचार के लिए भी एक अप्रयुक्त शक्ति हो सकती है। अमेरिका में 50 से अधिक उम्र के उद्यमियों की संख्या साल 2007 के मुकाबले साल 2024 में दोगुनी हो गई है।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक जीने से हमें रिटायरमेंट शब्द से भी रिटायर होना पड़ सकता है। अनुमानित जीवनकाल शताब्दी के करीब पहुंचने के साथ हम उम्मीद कर सकते हैं कि हमारा कामकाजी जीवन अतिरिक्त 20-40 वर्षों तक बढ़ जाएगा। यह शिक्षा और काम के बारे में हमारी सोच को फिर से परिभाषित करेगा। वहीं कार्यबल में बने रहने के कारण अर्थशास्त्र से परे भी हैं। इस बात के बढ़ते प्रमाण हैं कि सेवानिवृत्ति की आयु के बाद काम करने से हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम होता है। साथ ही मानसिक प्रगति और सामाजिक जुड़ाव भी मिलता है। उन्होंने कहा कि वृद्ध लोगों को समाज के मूल्यवान सदस्य के रूप में स्वीकार करने के लिए नकारात्मक रूढ़िवादिता को समाप्त करना होगा तथा लंबी आयु के लाभों के बारे में सार्वजनिक धारणा को व्यक्तियों, समाजों और अर्थव्यवस्था तक पहुंचाना होगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि विकसित देशों में स्वास्थ्य सेवा की लागत का बड़ा हिस्सा उम्र बढ़ने और उम्र से संबंधित बीमारियों से प्रेरित है। फिर भी उम्र बढ़ने और स्वास्थ्य अवधि विज्ञान को बहुत कम धन उपलब्ध है। अमेरिका अल्जाइमर रोग के इलाज पर सालाना लगभग 305 बिलियन डॉलर खर्च करता है। यह आंकड़ा 2050 तक 1.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। यूएस रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र का अनुमान है कि हृदय रोग और स्ट्रोक के कारण देश को स्वास्थ्य सेवा व्यय और उत्पादकता हानि के रूप में प्रतिवर्ष 363 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है। मधुमेह के कारण अनुमानित वार्षिक स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ 327 बिलियन डॉलर है, जबकि गठिया और संबंधित बीमारियों के कारण होने वाला खर्च 303 बिलियन डॉलर से अधिक है। वहीं देश वृद्धावस्था के लक्षणों के उपचार पर अरबों डॉलर खर्च करता है। अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के वार्षिक अनुसंधान बजट का एक प्रतिशत से भी कम या 337 मिलियन डॉलर वृद्धावस्था के जीव विज्ञान को समझने में खर्च होता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि उम्र बढ़ने के मूल कारणों को संबोधित करने से व्यक्तिगत बीमारियों को लक्षित करने की तुलना में निवेश पर अधिक लाभ मिल सकता है। स्वस्थ उम्र बढ़ने में निवेश करने से न केवल स्वास्थ्य सेवा व्यय में कमी आती है, बल्कि लंबे समय तक बेहतर जीवन जीने वाली आबादी आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देती है। अमेरिका के आंकड़ों के अनुसार, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा में एक साल की वृद्धि स्वास्थ्य सेवा बचत लागत और उत्पादकता लाभ में लगभग 40 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। विशेषज्ञ कहते हैं कि विश्व की जनसांख्यिकी संरचना में परिवर्तन हो रहा है तथा अनुमान है कि 60 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या 2050 तक दोगुनी हो जाएगी। वहीं दूसरी ओर देरी से कार्रवाई करने पर जीवन की गुणवत्ता कम हो जाएगी और अतिरिक्त वर्ष अस्वस्थता में गुजारने पड़ेंगे, जबकि युवा लोगों को अपने परिवार के सदस्यों की देखभाल की जिम्मेदारी उठानी होगी।

यूएस नेशनल काउंसिल ऑन एजिंग के अनुसार, 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के 80 प्रतिशत से अधिक वयस्क दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों से ग्रस्त हैं। उसका कहना है कि वृद्धावस्था में स्वास्थ्य में गिरावट को रोका जा सकता है। हालांकि बीमारी की शुरुआत से पहले स्वास्थ्य को अनुकूलित करने की स्पष्ट अनिवार्यता और अवसर के बावजूद ओईसीडी देशों में रोकथाम पर खर्च कुल स्वास्थ्य व्यय का तीन प्रतिशत से भी कम है। एक स्वस्थ भविष्य बनाने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में विस्तार करने की आवश्यकता है। हमें सिद्ध जीवन शैली अपनानी होगी, जिसमें नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार, धूम्रपान बंद करना और सामाजिक संबंध शामिल हैं। शोध कहते हैं कि सऊदी अरब और व्यापक मध्य-पूर्व क्षेत्र निवारक चिकित्सा की ओर बदलाव को समझने के लिए अद्वितीय स्थिति में हैं। क्षेत्र की तेजी से बढ़ती आबादी का लगभग 60 प्रतिशत 30 वर्ष से कम आयु का है, इसलिए पुरानी बीमारी को रोकने तथा स्वस्थ उम्र बढ़ने का समर्थन करने के लिए आज के प्रयास दूरगामी लाभ देंगे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ एंड्रिया ब्रिटा कहती हैं कि हम जिस वातावरण में रहते और काम करते हैं, वह भी हमारी उम्र बढ़ने के साथ हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली का समर्थन करने के लिए शहरों और समुदायों के डिजाइन से परे अक्सर अनदेखी किए जाने वाले तत्व जैसे कि प्रकाश और शोर का जोखिम भी हमारे जीव विज्ञान और उम्र को प्रभावित करते हैं। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े 70 फीसदी मुद्दे क्षेत्र के बाहर ही सुलझाए जाते हैं। उन्होंने जनसंख्या स्वास्थ्य को आकार देने में बहुक्षेत्रीय कार्रवाई और जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर दिया। सऊदी अरब के लोगों की जीवन प्रत्याशा को 2020 में 76 से बढ़ाकर 2030 तक 80 वर्ष करने के लक्ष्य पर विचार करते हुए सऊदी अरब ने कहा कि स्वास्थ्य पहले या सभी नीतियों में स्वास्थ्य दृष्टिकोण के माध्यम से सभी क्षेत्रों को शामिल करना यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप लागू करने योग्य और टिकाऊ हों।

एक्सपर्ट प्रोफेसर डेविड जेम्स कहते हैं कि हालांकि उम्र बढ़ना एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है और कई पुरानी बीमारियों, स्थितियों और विकलांगता के लिए सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। यह एक जटिल प्रक्रिया भी है, जिसमें कई आनुवंशिक, पर्यावरणीय और सामाजिक आर्थिक कारक योगदान करते हैं। जीरो साइंस जो कि उम्र बढ़ने के जीव विज्ञान पर केंद्रित विज्ञान है, एक विकसित क्षेत्र है। उम्र बढ़ने के जैविक तंत्र और निर्धारकों के बारे में कई अनिश्चितताएं हैं। स्वस्थ उम्र बढ़ने के निर्धारकों को जानना हमारी समझ को बढ़ाने और प्रौद्योगिकियों और चिकित्सा विज्ञान के विकास में तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण होगा, जो न केवल आयु संबंधी बीमारियों को बल्कि उम्र बढ़ने के मूल कारणों को भी लक्षित करते हैं।

असल में स्वास्थ्य अवधि और जीवन अवधि के बीच के अंतर को पाटने के लिए विज्ञान, निवेश, प्रौद्योगिकी और नीति के क्षेत्र में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता है। इसमें एक साझा लक्ष्य के तहत स्पष्ट वैश्विक स्वास्थ्य असमानताओं दोनों पर ध्यान देने की जरूरत है। वृद्ध होती आबादी की ओर वैश्विक बदलाव का स्वास्थ्य प्रणालियों पर गहरा प्रभाव पड़ता है, जिसमें श्रम और वित्तीय बाजार शामिल हैं। वृद्धावस्था विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति एक ऐसे भविष्य की ओर इशारा करती है, जहां 100 से अधिक उम्र तक जीना सामान्य बात हो जाएगी। वृद्ध होते समाजों की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा वृद्धावस्था के प्रति विश्व के दृष्टिकोण में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ावा देने वाले नीतिगत समायोजन, रोकथाम और निवेश को प्राथमिकता देने वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां तथा समस्त मानवता को लाभ पहुंचाने की क्षमता रखने वाली चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने के वैश्विक सहयोग के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

अस्थि चोर और माननीय पुलिस जी का सिरदर्द

कटाक्ष

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक बड़े शहर के एक थाने में पुलिसकर्मी अपना सिर बुरी तरह से धुन रहे थे। कुछ टेबल के आसपास खड़े थे तो कुछ साहब को भरी सर्दी में पंखा झलने में व्यस्त थे। पसीना था कि रुक ही नहीं रहा था। सभी आश्चर्यचकित थे कि जहां एक ओर ओस जम रही है, दूसरी ओर पुलिस पसीने-पसीने हो रही है। यह तो वैसा ही चमत्कार हो गया, जैसे किसी पाषाण प्रतिमा से पसीना छूट रहा हो और भक्त जय-जयकार कर रहे हों। एक पत्रकार लंबा सा माइक और एण्ड्राइड मोबाइल लेकर धड़धड़ाता अंदर दाखिल हुआ और आते ही ब्रेकिंग कवर करने में जुट गया। सबसे पहले उसने यह प्रयास किया कि कहीं पुलिस को नकली पसीना तो नहीं आया। जब अन्य पुलिस कर्मियों ने उन्हें बताया कि ये असली पसीना है तब जाकर वह संतुष्ट हुआ और फिर आदतानुसार माइक साहब के कंठ के सामने अड़ा दिया। पत्रकार महोदय का सवाल- क्या कारण है कि आप पसीना ताप हो रहे हैं और जनता ठंड से मरी जा रही है? पुलिसिया साहब अब होश में आ चुके थे बोले- भाई क्या बताएं ये पुलिस की नौकरी इसलिए नहीं की थी कि अब चोरी के नाम से ही पसीना छूट जाए। ऐसा लगता है कि अब चोरी ने भी अपना वेरियंट बदलने में महारत हासिल कर ली है। पत्रकार का माथा भन्नाया और उसने तमक कर पूछा कि अरे ये बताओ माजरा क्या है? पुलिसिया साहब थोड़ा नर्वस हो गए और बोले- क्या बताएं? स्याले चोर भी न कहां-कहां पहुंच जाते हैं। अरे सोने, चांदी, रुपए, बर्तन-ठीकरे चुराते थे तो लगता था कि चलो कुछ तो संभ्रांत काम कर रहे हैं। उन्हें पकड़ने में फक्र होता था, लेकिन स्याले इन अस्थि चोरों का क्या करें? इन्होंने तो मरघट को भी नहीं छोड़ा। वहां से गर्म राख से अस्थियां ही चुरा ले गए। हमारे एसपी साहब तो अभी तक डॉक्टर के पास बैठे हैं। उन्हें चेकअप करवाने की नौबत आ गई। पास खड़ा एक सिपाहीनुमा जवान, जिसकी उम्र यही कोई 60 के करीब होगी बोला- साहब मन्ने लागे है कि ये चोर अस्थियों का व्यापार करता होगा। इसके पीछे कोई इंटरनेशनल गैंग भी हो सकती है। यह सुनते ही दूसरा हवलदार बोला- अब तक को डॉक्टर ही आरोपी बनते थे कि पोस्टमार्टम में दिल और गुर्दे ही गायब कर देते थे। ये अस्थि चोर मरों की हड्डियां तक नहीं छोड़ रहे। कितना घोर कलयुग आ गया है। लगता है अब मसान में भी सीसी टीवी लगवाने पड़ेंगे। यह सुझाव सुन पुलिसिया साहब की आंखों में चमक आ गई और बाहर भीड़ का शोर बढ़ने लगा 'अस्थि चोर को गिरफ्तार करो...'

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज के नेता पिछले जन्म के नर स्पाइडर

व्यंग्य

राजशेखर चौबे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नेता को वोट की, युवा को रोजगार की, किसान को अच्छे फसल की, लाभार्थी को लाभ की और हम सबको अच्छे दिन की दरकार है । इसी तरह शादी जन्मदिन सालगिरह की पार्टी करने वालों को उपहार की दरकार होती है । उपहार का पैकेट खोल खोल कर देखना और उनकी समीक्षा करना मन को सुकून देता है, हालांकि कभी-कभी इससे बी पी भी बढ़ने लगता है। अब शादी के समारोहों में भी क्यूआर कोड स्कैन करने का ऑप्शन मिलने लगा है । हम लोग अपने गृह प्रवेश पर क्यूआर कोड रखने की ऊंची सोच नहीं रख सकते। वैसे भी गिफ्ट में रुपए देने वाले प्रायः कम होते हैं। हम दोनों गृह प्रवेश में मिले उपहारों की सूची बनाने लगे। एक-एक उपहार को खोल-खोलकर एक कॉपी में नोट करने लगे। एक बड़े से उपहार पर मेरी नजर पड़ी। मैंने देखा उस पर मेरे विभागीय साथी शर्मा जी का नाम था।

मैंने पत्नी से कहा - देखें, अच्छी खासी कमाई करने वाले शर्मा जी ने आखिर क्या दिया है ?

उपहार खोलने पर उसके भीतर एक 'सीनरी' निकली। उसे देखकर मेरा बिदकना स्वाभाविक था,

- इतना छिछोरा गिफ़्ट!

यह गिफ़्ट डेढ़ सौ रुपए से अधिक का नहीं है।

- हाँ हाँ, यह गिफ़्ट डेढ़ सौ रुपए का ही है। - (आश्चर्य से) तुम्हें कैसे मालूम ? - क्योंकि उन्हें उनके गृह प्रवेश में इस गिफ्ट को हम लोगों ने ही दिया था ।

वैसे तोहफे देने का चलन आदिकाल से है। आदिमानव शिकार, पत्थर, फल - फूल आदि का उपहार देते होंगे । उसी दिन सिन्हा जी घर आ गए।उनसे गिफ्ट पर चर्चा होने लगी। यहाँ यह बताना जरूरी है कि वे मेरी तरह केवल व्हाट्सएप ज्ञानी नहीं हैं।

मैं - तोहफ़े देने के लिए इंसान होना जरूरी है। सिन्हा - नहीं ऐसा नहीं है। मैंने समाचार पढ़ा कि इंसानों की तरह अन्य जीव भी अपने साथियों को तोहफे देते हैं । तोहफ़े देकर रिझाना दूसरे जीव भी जानते हैं। कई बार वे अजनबियों से जान पहचान बढ़ाने के लिए तोहफ़े भी देते हैं। कई जीव हमसे आगे हैं और वे गिफ्ट में अपनी जान भी दे देते हैं। - जैसे हम गिफ्ट में किसी दोस्त को खाली डब्बा या ऐसा गिफ्ट दे देते हैं जिससे वह नर्वसा जाए। क्या अन्य जीव जंतु भी ऐसा करते हैं? - हाँ, कुछ जीव हम जैसे हैं और वे तोहफा देते वक्त धोखा भी देते हैं। अंग्रेजी में कहावत है 'मेन आर मेन' यानी पुरुष, पुरुष ही रहेंगे। वैसे यह कहना ज्यादा सही होगा, मेल आर मेल। इसी तरह कहा जा सकता है स्पाइडर मेल आर स्पाइडर मेल। - क्या इस पर भी कोई किस्सा कहानी है? - कहानी नहीं इस हकीकत को सुनकर दूसरे नर कीड़े भी प्रोत्साहित हो सकते हैं , तो सुनिए, स्पाइडर मैन नहीं स्पाइडर मेल की कारस्तानी -

'नर स्पाइडर मादा स्पाइडर को कोई कीड़ा या भोजन जाले में लपेट कर देते हैं। जैसे हम गिफ्ट को पैक करवा कर देते हैं। इससे वह गिफ्ट अधिक सुंदर दिखता है। कई बार इस जाले के अंदर कोई शिकार ही नहीं होता है या छोटा शिकार होता है। जब तक मादा स्पाइडर जाले को हटाकर गिफ्ट खोल रही होती है, इसी दौरान नर स्पाइडर उसके साथ संबंध बना लेता है।'

-इस हकीकत को सुनकर लगता है कि आज के नेता पिछले जन्म के नर स्पाइडर ही हैं। ये भी हमें रेवड़ी का लालच देकर हमारा वोट ले रहे हैं ।

बालिकाओं को बनाना होगा आत्मनिर्भर

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं, जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। 24 जनवरी 1966 को पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना कार्यभार संभाला था। उस दिन की याद में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2024 का विषय है आइए हम अपनी लड़कियों को मजबूत, स्वतंत्र और निडर बनाएं।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

भारत में हर साल 24 जनवरी को लड़कियों को सशक्त बनाने और समाज में उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के महत्व को उजागर करने के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह लड़कियों के अधिकारों और अवसरों को बढ़ावा देते हुए उनकी ताकत और क्षमता का जश्न मनाने का दिन है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में पहली बार राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाना शुरू किया गया था। देश में लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली सभी असमानताओं के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाना व बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना इसको मनाने का मुख्य उदेश्य है।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं, जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। 24 जनवरी 1966 को पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना कार्यभार संभाला था। उस दिन की याद में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2024 का विषय है आइए हम अपनी लड़कियों को मजबूत, स्वतंत्र और निडर बनाएं।

भारत में आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उसके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है।

समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी हो गयी है।

देखा जाय तो अगर समाज में बेटियों को भी उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो कभी भी बेटिया किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है। तो इसमें कोई गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

आज लड़किया लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। दुश्कर से दुश्कर कार्य लड़कियां सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर जिले का पूरे देश में मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर राष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन हमें लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषों की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

बालिकाओं का कोख में तो कत्ल कर उन्हे धरती पर आने से पहले ही मारा जा रहा है। उससे भी घिनोना काम जिन्दा बालिकाओं के साथ किया जा रहा है। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेड़िये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं। बालिकाओं को कई प्रकार के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है। शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। एक शिक्षित लड़की ही अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान दे सकती है। कानूनी सुरक्षा बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लड़कियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए भी उतना ही आवश्यक है।

हर साल बालिका दिवस मनाने की बजाय सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। जब तक बालिकाओं की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं हो पायेगी तब तक बालिका दिवस मनाने की कोई सार्थकता नहीं हो पायेगी। बालिकाओं पर अत्याचार करने वालों के मन में भय व्याप्त करने के लिये सरकार को कानून में और अधिक सुधार करना चाहिये।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें।

नये भारत के लिये बालिकाओं की बंद खिड़कियां खुलें

राष्ट्रीय बालिका दिवस

ललित गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

जहां पांव में पायल, हाथ में कंगन, हो माथे पे बिंदिया, इट हैपन्स ओनली इन इंडिया- जब भी कानों में इस गीत के बोल पड़ते है, गर्व से सीना चौड़ा होता है। जब नवरात्र के दिनों में कन्याओं को पूजित होने के स्वर सुनते हैं तब भी शकुन मिलता है लेकिन जब उन्हीं कानों में यह पड़ता है कि इन पायल, कंगन और बिंदिया पहनने वाली बालिकाओं के साथ कैसे अत्याचार, यौन-शोषण इंडिया क्या करता है, तब सिर शर्म से झुकता है। भारतीय समाज में लड़कियों को अक्सर भेदभाव, यौन-शोषण और अन्याय का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित रखा जाता है और उन्हें बहुत कम उम्र से ही घर के कामों में मदद करनी पड़ती है। इन्हीं विडम्बनाओं एवं विसंगतियों को नियंत्रित करने के लिये भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह दिन समाज में लड़कियों के खिलाफ लैंगिक असमानता, रूढ़िवादिता, भेदभाव, यौन-शोषण और हिंसा की मौजूदा समस्याओं पर प्रकाश डालता है, बालिकाओं को सशक्त बनाता है और शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लड़कियों को समान अवसर प्रदान करने के महत्व का संदेश देता है। बालिकाओं की बन्द खिड़कियां खुलें, तभी नया भारत-सशक्त भारत बन सकेगा।

सरकार का उद्देश्य बालिका दिवस के माध्यम से बालिकाओं के साथ समान व्यवहार करने और उन्हें वे अवसर प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को व्यक्त करना है, जिनकी वे हकदार हैं। यह दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत की तिथि भी है। इसका लक्ष्य बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना भी है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम 'उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना' है। इसके लिये भारत में बालिकाओं के लिए कई सरकारी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन कई प्रभावी सरकारी योजनाओं के बावजूद भारत में बालिकाओं की स्थिति चिन्ताजनक है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। यह आंकड़ा सबसे निम्न स्तर पर मौजूद राजस्थान के बराबर है। तमिलनाडु, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी तस्वीर बहुत बेहतर नहीं है। बालिकाओं की घटती संख्या एक गंभीर चिन्ता का विषय है।

हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि 21वीं सदी तक आते-आते बालिकाओं एवं महिलाओं की ज़िंदगी में बहुत बदलाव आए हैं लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए अब हालात पहले से ज्यादा खराब हो चुके हैं। कहने को भले ही लड़कियां हर मामले में लड़कों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हो, हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है लेकिन उनके सामने हर रोज एक लंबी चुनौती भी खड़ी है। भारतीय बालिकाओं एवं महिलाओं की समस्याएं केवल सामाजिक अधिकारों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि कार्यस्थलों और घरों में भी वह मानसिक और सामाजिक रूप से प्रभावित होती हैं। बालिकाओं एवं महिलाओं की सोच में भले ही पिछले कुछ सालों की तुलना में बदलाव आए हों लेकिन मर्दों की सोच और रवैये में कुछ खास फर्क नजर नहीं आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सड़क पर छोटे कपड़े पहनकर चलने में लगभग हर महिला ही असुरक्षित महसूस करती है। चीरहरण करती आंखें, अंजाने में छूने वाले हाथ और सीटियों की गूंज का सामना किसी लड़के को नहीं बल्कि लड़की को ही हर रोज करना पड़ता है। कुछ घरों में आज भी लड़कों की तुलना में लड़कियों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। वह कैसे बोलती है, कैसे कपड़े पहनती है, अपना जीवन जीने का तरीका किस तरह चुनती है, भले ही इन बातों से उसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा हो लेकिन उसके आसपास रहने वाले लोग इससे असुरक्षित वातावरण महसूस करने लगते हैं। ज्यादातर लोगों ऐसा मानना है कि एक बालिका को मिलनसार होना चाहिए। उसे हमेशा ही समझौता करना चाहिए। भले ही वह बातें उसे नुकसान क्यों न पहुंचा रही हों।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि बच्ची पैदा होगी तो ये उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लग रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। इन त्रासद, अमानवीय एवं विडम्बनापूर्ण नारी अत्याचार की बढ़ती घटनाओं के होते हुए मां दुर्गा को पूजने का क्या अर्थ है?

बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उसके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी हिंसक एवं त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। राष्ट्रीय बालिका दिवस का अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

बच्चियों को उड़ने दें, आकाश में जगह खुद बना लेंगी

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष

डॉ. रमेश ठाकुर

सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान

हिंदुस्तान में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' का आज 17 संस्करण मनाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण दिवस की शुरुआत केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा सन-2008 से हुई। ये तारीख मुकर्रर इसलिए की गई, क्योंकि इसी दिन यानी 24 जनवरी 1966 को इंदिरा गांधी ने पहली मर्तबा बतौर प्रधानमंत्री कार्यभार संभाला था। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पूरे भारत में विभिन्न स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जिनमें 'सेव द गर्ल चाइल्ड', 'चाइल्ड सेक्स रेशियो' व 'चाइल्ड क्राइम प्रोटैक्शन' अभियानों के अलावा बालिकाओ के स्वास्थ्य और उन्हें सुरक्षित वातावरण देने सहित तमाम तरह की जागरूकता फैलाई जाती है जिसमें सामाजिक और सरकारी दोनों धड़े अपनी सहभागिता करते हैं। पर, अफसोस ऐसी तमाम कोशिशों के बावजूद भी बालिकाओं के विरूद्ध जुल्म नहीं रूक पा रहे।

किशोरियों की तस्करी सबसे बड़ा चिंता का विषय है। झारखंड जैसे कुछ राज्य ऐसे हैं जहां तो इंतिहा ही है, वहां बच्चियां खुद के घरों में बंदिशों की बेड़ियों में जकड़ी हुई हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में संपन्न हुए संसद के शीतकालीन सत्र में एक आंकड़ा पेश कर बताया था कि पूरे देश में अभी लाखों की संख्या में बच्चियों को उनके अभिभावक स्कूलों में नहीं भेजते। ये हाल तब है जब बच्चियों की शिक्षा पर केंद्र व राज्य सरकारें कितनी सजगता से लगी हुई हैं। यहां सरकारों को दोष नहीं दे सकते। बच्चियों से जुड़ी मौजूदा समय की सबसे विकराल समस्या 'बाल तस्करी' ही है? ये विकट समस्या कैसे रोके, जनमानस कैसे जागरूक हों, आदि विषय को ध्यान में रखकर ही सालाना 24 जनवरी को पूरे भारत में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है।

बेटियों के सम्मान में केंद्र सरकार का 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' का नारा जबरदस्त सफल हो रहा है। इससे बालिका लिंगानुपात में भी इजाफा हुआ है। 2014 में बेटियों के जन्मानुपात का आंकड़ा 918 था, तो वहीं 2022-23 में 15 अंकों की छलांग लगाकार ये आंकड़ा 933 तक जा पहुंचा। इस आंकड़े में हरियाणा अभी भी पिछड़ा हुआ है। देश की तरक्की में बेटियों को उड़ने की आजादी मिलनी चाहिए। उनकी शिक्षा-दिक्षा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़नी चाहिए। हालांकि किशोरियों के लिए जबसे माहौल ने करवट ली है, उन्हें अपनी काबिलियतों को साबित करके भी दिखा दिया है। रक्षा से लेकर खेल तक कोई ऐसा क्षेत्र नहीं हैं जहां बेटियां परचम न फहरा रही हों? लड़कियों के प्रति रूढीबादी सोच से लोग अब तौबा करने लगे हैं। कुछ ऐसे लोग जो इस सोच से बाहर नहीं निकल रहे, वो अपनी लड़कीं को उनके अधिकारों से वंचित रखते हैं जिससे उनका करियर बन ही नहीं पाता। बच्चियों के भविष्य को अंधकार में धकेलने में परिवारों की भी बड़ी भूमिका होती हैं, परिवार ऐसा न करें, उनको समझाने के लिए ही आज का ये खास दिवस मनाया जाता है।

बच्चियों पर जुल्म समाज का सबसे बड़ा कलंक माना जाता है। इस कलंक को मिलकर मिटाना होगा। एनसीआरबी की माने तो हिंदुस्तान में सालाना हजारों की संख्या में बच्चियां लापता होती हैं, जिनमें से अधिकांश बच्चियां की उम्र महज 8-10 वर्ष होती हैं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, साल 2019 से 2021 में 13.13 लाख गायब महिलाओं में ज्यादातर लड़कियां की संख्या रही। वहीं, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार बीते 5 सालों में 2.75 लाख बच्चे गुम हुए जिनमें से 2.12 लाख सिर्फ लड़कियां थीं। लापता बच्चों के मामले में पश्चिम बंगाल अव्वल है जहां साल-2022 में 12,546 लड़कियां गुम हुईं। मध्य प्रदेश दूसरे नंबर पर है जहां 11,161 किशोरियां गायब हुईं। बाकी प्रदेशों के हाल भी अच्छे नहीं हैं। इसके अलावा बाल तस्करी, बाल विवाह और नाबालिगों के साथ यौन शोषण की घटनाएं भी कम होने के जगह बढ़ी हैं। इन्हें सामूहिक प्रयासों से रोकना होगा।

निश्चित रूप से 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' समूचे भारत में बच्चियों के समक्ष आने वाली तमाम चुनौतियों को पहचानने की ओर ध्यानाकर्षण करवाता है। हमारी सामाजिक जिम्मेदारी यहां ये बनती है कि बच्चियों के विरुद्ध घटित मौजूद अपराधों और संभावित खतरों से मुंह नहीं फेरना चाहिए? दूसरी बच्चियों में अपने जैसा भाव उमड़ा चाहिए। हम दूसरों का दर्द जब तक एहसास नहीं करेंगे, सहायता नहीं कर पाएंगे। निश्चित रूप से आज का ये दिवस इन्हीं ओर जनमानस का ध्यान आकर्षित करवाता है। लड़कियों को सशक्तिकरण बनाने की ओर अलख तो जगाता ही है। सबसे पहले बालिकाओं की तस्करी पर अंकुश लगना चाहिए। क्योंकि ये दंश किसी भी देश के लिए घोर कलंक जैसा है। लैंगिक समानता की उपलब्धियों पर भी ये कलंक प्रहार करता है? ये समस्या अब किसी बड़े वैश्विक संकट से कम नहीं? सभी को आगे आना होगा। बड़े जनजागरण अभियान से गहरी नींद से सोए लोगों को जगाना होगा। क्योंकि ये आफत किसी के भी चौखट पर कभी भी दस्तक दे सकती है।

अटकलें समाप्त 25 वर्ष बाद बदला साप्ताहिक बाजार का स्थान

पुराने नागपुर रोड पर लगा विशाल साप्ताहिक बाजार, पहले दिन लगी लगभग एक हजार दुकानें

बैतूल / मुलताई। वर्षों से साप्ताहिक बाजार स्थान परिवर्तन को लेकर चल रही अटकले समाप्त हो गई । नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर एवं राजस्व निरीक्षक जीआर देशमुख के निरंतर प्रयास के बाद नगर पालिका ने 25 वर्ष से आंग्ल स्कूल ग्राउंड की भूमि पर लग रहे साप्ताहिक बाजार का स्थान परिवर्तन कर आज गुरुवार से पुराने मुलताई नागपुर रोड पर साप्ताहिक बाजार लगा दिया। और आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि माना जा रहा था कि नए स्थान पर कम दुकानदार अपनी दुकान लगाएंगे किंतु आज गुरुवार नए स्थान पर बाजार में पुराने बाजार की तुलना में डबल से भी अधिक दुकानें लगी है। एक अनुमान के आधार पर जहां स्कूल ग्राउंड पर ढाई सौ से 300 दुकाने लगा करती थी वहीं नगर पालिका की सीमा और कामथ पंचायत की सीमा में लगभग एक किलोमीटर लंबाई में एक हजार दुकाने लगी है। नए स्थान पर दुकान लगाने को लेकर छुटपुट व्यापारियों को छोड़कर सभी व्यापारियों में भारी उत्साह दिखा और सभी व्यापारियों ने नए स्थान पर अच्छी व्यवस्था होने की बात कही है। पूर्व विधायक पंजाबराव बोड़खे ने साप्ताहिक बाजार को नए स्थान पर भरने के प्रयास को प्रशासन का सराहनीय प्रयास बताते हुए कहा है कि, नगर पालिका और कामथ पंचायत ने अच्छी व्यवस्था की है हम चाहते हैं कि इसके अलावा भी साप्ताहिक बाजार की व्यवस्था में सुधार हो। मिर्ची व्यापारी असलम मंसूरी एवं शेख राजा ने इस बाजार में कामथ क्षेत्र में अपनी मिर्च की दुकान लगाई है वह बताते हैं कि पुराने बाजार की तुलना में यहां अच्छा लग रहा है खुला मैदान है ग्राहको के आवागमन के लिए पर्याप्त स्थान है किंतु यहां लाइटिंग की व्यवस्था होना चाहिए साथ ही धूल मिट्टी नोड इसके लिए मिर्ची बाजार में बाजार के दिन पानी का छिड़काव भी किया जाना चाहिए। आकाश खन्ना 15 वर्षों से पुराने साप्ताहिक बाजार में अपनी होटल लगाते रहे हैं नए स्थान पर नया अनुभव है किंतु यहां भी अच्छा लग रहा है धीरे-धीरे और व्यवस्था में सुधार होगा। व्यापारियों ने बताया कि कम समय में नगर पालिका ने बहुत अच्छी व्यवस्था की है इसके लिए नगर पालिका धन्यवाद की पात्र है कुछ सुविधा और बढ़ाने की आवश्यकता है उम्मीद है वह भी शीघ्र पूरी हो जाएगी।

सर्व सुविधा युक्त होगा साप्ताहिक बाजार: वर्षा गडेकर- नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने नगर पालिका अमले के साथ बाजार के पहले दिन बाजार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और नए बाजार में दुकान लगाने वाले सभी व्यापारियों का आभार व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पुराने स्थान को छोड़कर नए स्थान पर दुकान लगाना और नगर पालिका पर विश्वास कर नगर पालिका को सहयोग करना आसान नहीं था किंतु तब भी व्यापारियों के सहयोग से हम इस कार्य में सफल हो पाए हैं मैं नए स्थान पर दुकान लगाने वाले सभी व्यापारियों को विश्वास दिलाना चाहती हूं कि बाजार में व्यापारियों और आने वाले नागरिकों को सभी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

व्यापारी और नगर पालिका में छुटपुट विवाद के बाद बना आपसी सामंजस्य- नगर पालिका राजस्व निरीक्षक एवं साप्ताहिक बाजार प्रभारी जी आर देशमुख ने बताया कि सभी के सहयोग से साप्ताहिक बाजार निर्विवाद रूप से सम्पन्न हो पाया है। इस बीच कुछ व्यापारी एवं प्रशासन के कर्मचारियों के बीच दुकान की जगह को लेकर कहा सुनी भी हुई थी लेकिन इसके बाद भाई चारे के साथ आपसी सामंजस्य से सभी व्यापारी बंधुओं द्वारा अपनी अपनी दुकानें लगा ली है। देशमुख बताते हैं कि कामत ग्राम पंचायत में अगर समतलीकरण एवं मुरमीकरण नहीं किया होता तो साप्ताहिक बाजार सफलतापूर्वक लगाना कठिन हो जाता इसके लिए दामाद ग्राम पंचायत कामथ की सरपंच पुष्पा जीतू डहारे बधाई की पात्र है।

कामथ क्षेत्र में भी व्यापारियों को मिलेंगे सभी सुविधा: पुष्पा डहारे- ग्राम पंचायत कामत की सरपंच पुष्पा जीतू डहारे ने बताया कि हमने कामथ सीमा में बाजार के लिए समतलीकरण का कार्य पहले ही कर लिया था। इसके साथ ही मिरची व्यापारियों के लिए टैंकर से पानी रोड पर डालने के लिए पानी की व्यवस्था, बाजार में आने वाले और व्यापारियों के लिए पेयजल व्यवस्था, लाइटिंग गंदे पानी की निकासी के लिए शोक फिट और नालियों की व्यवस्था करना ग्राम पंचायत की प्राथमिकताएं होंगी।

भारत विकास परिषद् बैतूल द्वारा आयोजित पांच दिवसीय एक्यूप्रेशर शिविर का हुआ समापन

बैतूल। भारत विकास परिषद बैतूल शाखा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का समापन किया गया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के संरक्षक राजीव खंडेलवाल, अध्यक्ष पीआर मगरदे, सचिव आशीष पचौरी, महिला प्रमुख नूतन जैन, बेटी बचाओ

बेटी पढ़ाओ प्रभारी तूलिका पचौरी, पर्यावरण प्रमुख सतपाल मगरदे एवं समाजसेवी देवेंद्र हुरकट उपस्थित थे। परिषद के सदस्यों ने डॉ. सीएच चौधरी एवं प्रकाश चौधरी का शॉल और श्रीफल भेंट कर आभार प्रकट किया। डॉ. सीएच चौधरी ने कहा कि बैतूल के लोग एक्यूप्रेशर चिकित्सा को लेकर काफी उत्साहित हैं। इन पांच दिनों में लगभग 300 लोगों ने एक्यूप्रेशर चिकित्सा का लाभ लिया। साथ ही परिषद् के सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन भारत विकास परिषद् द्वारा समय समय पर किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर में 240 दिव्यांग बच्चों का हुआ मेडिकल

15 को उपकरणों के लिए चिन्हित किया, 29 बच्चों को मिले प्रमाण पत्र

बैतूल। जनपद शिक्षा केंद्र बैतूल में 23 जनवरी को विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के लिए एक दिवसीय चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला मेडिकल बोर्ड बैतूल और एलिमको टीम जबलपुर के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें बैतूल ब्लॉक की कक्षा पहली से आठवीं तक के 240 दिव्यांग बच्चों ने हिस्सा लिया। शिविर के दौरान एलिमको टीम जबलपुर ने 15 बच्चों को उपकरणों के लिए चिन्हित किया। इसके साथ ही, जिला चिकित्सालय बैतूल से अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. पदमाकर, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. खातरकर, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. शर्मा और साइकोलॉजिस्ट ममता सोने ने 29 बच्चों के प्रमाण पत्र बनाए। इस आयोजन में जिला शिक्षा केंद्र के डीपीसी जितेंद्र भनारिया, एपीसी राजेश तुरिया और कुशलेश धाडसे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनपद शिक्षा केंद्र बैतूल से बीआरसी दुर्गेश रघुवंशी, एपीसी वीरेंद्र कुमार परिहार और गजेंद्र मोहबे एमआरसी, बीएसी हेमराज पाटिल, मनीष प्रजापति, जितेंद्र यादव, नवीन कुमार वरवड़े, सीएसी बीएल उइके ने शिविर को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। शिविर में उपस्थित बच्चों का मूल्यांकन और प्रमाण पत्र निर्माण जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिसमें उनके शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक जरूरतों का ध्यान रखा गया। इसके अलावा, कई विद्यालयों से आए शिक्षकों ने भी इस शिविर को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। यह शिविर दिव्यांग बच्चों के लिए एक बड़ी पहल साबित हुआ, जिसमें उनकी जरूरतों को समझते हुए सहायता उपलब्ध कराई गई। उपस्थित अधिकारियों और शिक्षकों ने शिविर को प्रभावी और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न किया।

पराक्रम दिवस पर भाजपा ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्मजयंती पराक्रम दिवस पर के

अवसर पर उनके छायाचित्र के सम्मुख दीपप्रज्ज्वलन कर भावभीनीं श्रृद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने बडी मेहनत के साथ आईसीएस का एग्जाम भी पास किया और कहा कि हम अंग्रेजों की नौकरी नहीं करेंगे, यह अंग्रेजों के मुंह पर तमाचा भी था और देशभक्ति का प्रमाण भी था। नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने और बाद में त्याग पत्र दे दिया। लेकिन कांग्रेस नेताओं को नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी कभी रास नहीं आए। श्री पंवार ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने आजाद हिंद फौज नाम से अस्थाई सरकार बनाकर अंग्रेजों को बहुत बडी चुनौती दी। कई देशों से उनकी सरकार को मान्यता भी मिली। उनके जीवन के विविध पक्षों को समाज के बीच लाना चाहिए। भारत रत्न स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी की देशभक्ति का सम्मान करते हुए सम्मान दिलाने के लिए कार्य किया। मुझे विश्वास है कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी के कार्यों का आने वाले समय में और मूल्यांकन किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजा ठाकुर, वरिष्ठ नेता राजेन्द्र साहू, भगवंत चढोकार, राजेश आहूजा, भोला खंडेलवाल, मनीष सोनी सहित बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना सांईखेड़ा पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा

15 लाख के लेनदेन पर हुई युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। सांईखेड़ा पुलिस ने अंधेकत्ल का खुलासा करने में सफलता हासिल की है। पुलिस विभाग के जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 20 दिसंबर 2024 को रामनाथ करोले निवासी खेडीकोर्ट ने थाना सांईखेड़ा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके छोटे भाई विश्वनाथ करोले, जो बस स्टैंड खेडीकोर्ट पर गाडियों की सर्विसिंग और नमकीन, अंडे की दुकान चलाते थे, की हत्या हो गई। 19 दिसंबर 2024 की रात्रि लगभग 10 बजे विश्वनाथ दुकान बंद कर अपनी पत्नी को चाबी देकर दो व्यक्तियों को गन्ना फैक्ट्री छोडने गए थे। अगले दिन उनकी लाश रतन साहू के खेत की नाली में, सडक़ किनारे मिली। शव पर धारदार हथियार से चोट के निशान थे। सूचना मिलने पर सांईखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल को सुरक्षित किया और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। थाना प्रभारी साइखेड़ा श्री राजन उईके की उपस्थित में वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन और फोटोग्राफी कराई गई।प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हुआ जिस पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ थाना साईखेड़ा में धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

विवेचना के लिए गठित की टीम- पुलिस अधीक्षक बैतूल के निर्देश पर एसडीओपी बैतूल के नेतृत्व में थाना प्रभारी सांईखेड़ा निरीक्षक राजन उईके और विशेष टीम का गठन किया गया। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर, आरोपियों की खोज के लिए भोपाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, और दिल्ली में दबिश दी गई। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी सरवर आजम पिता मोहम्मद कलीम (उम्र 26 वर्ष, निवासी बिन्द्राल शरीफ, जिला सिवान, बिहार, हाल निवासी हाईलाइफ अपार्टमेंट, जहांगीराबाद, भोपाल) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि मृतक से 15 लाख रुपए का लेनदेन था। इसी कारण उसने अपने साथियों मोहसीन और फैजल के साथ मिलकर हत्या की साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया। गिरफ्तारी के बाद सरवर आजम को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

फरार आरोपी की पुलिस कर रही तलाश- इस मामले के अन्य दो फरार आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि मोहसीन पिता अंसार अहमद उम्र 20 वर्ष, निवासी गोपालगंज, बिहार, हाल निवासी हाईलाइफ अपार्टमेंट, जहांगीराबाद, भोपाल, और फैजल पिता परवेज आलम उम्र 26 वर्ष, निवासी बिन्द्राल शरीफ, जिला सिवान, बिहार की तलाश जारी है। जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सांईखेड़ा निरीक्षक राजन उईके, निरीक्षक आबिद अंसारी, उनि पूनमचंद साहू, प्रआर विनय जायसवाल, आरक्षक विकास जैन, आरक्षक अविनेश चौरे, आरक्षक आदित्य, राजेन्द्र धाड़से, बलराम, दीपेन्द्र, प्रआर 391 बलवीर, प्रआर राजकुमार, प्रआर रामानंद, आरक्षक विनोद, और आरक्षक कुमेश ने सराहनीय भूमिका निभाई।

ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी 6 फरवरी को पहुंचेगी बैतूल

बैतूल। आध्यात्मिक एवं धार्मिक चैनल्स पर अपने आध्यात्मिक वक्तव्यों से विश्वप्रसिद्ध ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य वक्ता

ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी 6 फरवरी को बैतूल पधार रही है। वे लालबहादुर शास्त्र स्टेडियम में 6 फरवरी शाम 5 बजे आयोजित कार्यक्रम डिजाइन अवर डेस्टीनि अपना भाग्य स्वयं बनाए में बैतूल के लोगों को संबोधित करेगी। ब्रह्माकुमारी बैतूल की संचालिका ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने बताया कि शिवानी दीदी को बैतूल बुलाने का विगत 12 वर्षों से प्रयास हो रहा था, जिसका सुखद परिणाम आज हमारे सामने है कि बैतूल में शिवानी दीदी का आगमन हो रहा है। इस कार्यक्रम में 12 से 15 हजार लोगों की आने की संभावना है। कार्यक्रम में प्रवेश के लिए सभी को रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक है। रजिस्ट्रेशन के बाद ब्रह्माकुमारीज़ के नजदीकी सेवाकेंद्र से पास प्राप्त कर सकते हैं। बिना पास के प्रवेश निषेध है।

30 जनवरी को मनाया जाएगा मद्य निषेध संकल्प दिवस

बैतूल। 30 जनवरी 2025 को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर युवाओं तथा समाज के सभी वर्गों में बढ़ती हुई मद्यपान, मादक पदार्थों की प्रवृत्ति की रोकथाम करने तथा इनसे होने वाले दुष्परिणामों से युवाओं और समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से मद्य निषेध संकल्प दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मादक पदार्थों तथा मदिरा पान त्यागने का संकल्प दिलाया जाएगा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत 30 जनवरी को मद्य निषेध संकल्प दिवस के अवसर पर सेमिनार, आयोजित वर्कशॉप, रैली, प्रदर्शनी, वाद- विवाद, निबंध लेखन, मानव श्रृंखला, पोस्टर प्रतियोगितांए एवं नाटक, गीत, नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम व सभाएं आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मद्य निषेध संकल्प दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत 30 जनवरी को प्रात- 09 बजे शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान से पीएम एक्सीलेंस कॉलेज तक रैली निकाली जाएगी तथा पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में सामूहिक शपथ ग्रहण की जाएगी। रैली में सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राओं सहित शिक्षण एवं नागरिक शामिल होंगे।

सूर्यवंशी क्षत्रिय भोयर कुर्मी समाज का हल्दी कुमकुम संपन्न

बैतूल। सूर्यवंशी क्षत्रिय भोयर कुर्मी समाज बैतूल के नारी शक्ति संगठन द्वारा द्वारका लान में हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में भगवान राम के फोटो पर पूजा अर्चना कर माल्यार्पण किया गया। नन्हे बच्चों के द्वारा गणेश वंदना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऋतु खंडेलवाल डायरेक्टर आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल भी पधारी थी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा आपके संगठन से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई आप लोग किस-किस क्षेत्र में क्या-क्या कर सकती हैं एक ऐसा फोरम बनाएं और जरूरतमंद महिलाओं को उनके परिवार की शिक्षा दीक्षा एवं उनके परिवार के विकास हेतु सहयोग करें। तत्पश्चात संगठन की कार्यकर्ताओं के द्वारा सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई तथा महिलाओं के मनोरंजन के लिए कुर्सी दौड़ बलून रेस तथा गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। उद्बोधन के क्रम में भारती दिनेश -मानकर ने कहा कि हम सब भारतीय सनातनी हिन्दू हैं अतः हम भारतीय परंपराओं और उत्सवों को पूरे देश में मनाते हैं . हमने विविध संस्कृतियों भाषाओं , वेशभूषाओं एवं रीति रिवाजों के मोतियों को एकता की माला में पिरोया है यही कारण है कि पूरे देश ने दक्षिण के इडली सांभर डोसा को पसंद किया है तो पंजाब की चुनरी सलवार कुर्ती को पहना पसंद किया है। वैसे तो हल्की कुमकुम मराठा पेशवाओं की देन है परन्तु पूरे देश की सुहागिन बहने आपस में एक दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाती हैं । सभी एक दूसरे के भावी जीवन के सुखी संपन्न एवं दीर्घायु होने की मंगल कामनाएं करती हैं । अंत में उनने कहा -जीवन एक उपहार नहीं है जीवन एक त्यौहार नहीं है अपना जीवन आप संवारें जीवन पुष्पित हार नहीं है । कार्यक्रम में उपस्थित अन्य माताओं एवं बहिनों ने भी अपने विचार प्रस्तुत कर संगठन में सक्रिय भागीदारी एवं योगदान देने का महत्व बताया। अंजू सोनपुरे ने नारी शक्ति संगठन को और मजबूत तथा सक्रिय करने पर अपने विचार व्यक्त किए।हल्दी कुमकुम कार्यक्रम की इस बेला को आगे बढ़ाते हुए उपस्थित सभी सुहागिन बहनों को हल्दी कुमकुम लगाकर सुहाग की सामग्री वितरित की गई।

पर्यवेक्षक पद के 50 प्रतिशत पदों पर भर्ती प्रक्रिया में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आयु सीमा में छूट दी जाए

मप्र बुलंद आवाज नारी शक्ति आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायक संगठन ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। मप्र बुलंद आवाज नारी शक्ति आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायक संगठन ने पर्यवेक्षक पद हेतु 50 प्रतिशत पदों पर भर्ती प्रक्रिया के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की आयु सीमा में छूट दिए जाने की मांग की है। इस मांग को लेकर संगठन की जिला अध्यक्ष श्रीमती शकुन बारंगे के नेतृत्व में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, संयुक्त संचालक स्वर्णिमा शुक्ला को ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन के माध्यम से जिला अध्यक्ष ने बताया कि आंगनवाड़ी कायकर्ता से पर्यवेक्षक पद हेतु 50 प्रतिशत पदों पर भर्ती प्रक्रिया के लिए आवेदन लिए जा रहे है। यह प्रतियोगी परीक्षा पूरे 08 वर्ष बाद निकाली गई है। यह पद केवल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए ही माध्यम से भरे जाने हैं। परंतु 50 प्रतिशत से ज्यादा कार्यकर्ता अपनी आयु

45 वर्ष पूर्ण कर चुकी है, जिसके कारण योग्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इस पद के लिए परीक्षा देने में अपात्र घोषित हो रही है, जो कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय है। संविदा पर्यवेक्षक से, पर्यवेक्षक के फार्म भरने के लिए आयु सीमा में 55 वर्ष की छूट दी गयी है। साथ ही उन्हें अनुभव के बोनस अंक दिये जा रहे है। ठीक इसी प्रकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता होने पर भी आयु की छूट प्रदान की जाए एवं अनुभव के आधार पर अंक की छूट दी जाए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रमोशन में आयु बनी बाधा

विदित है कि यह पर्यवेक्षक के पद योग्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से ही भरे जाने हेतु रिक्त है। सभी कार्यकर्ताओं को पर्यवेक्षक पद हेतु अपनी योग्यता सिद्ध करने के लिए प्रोत्साहित किया जाये, जिससे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का मनोबल बढ़े। आयु के बंधन होने से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के प्रमोशन का मार्ग बंद हो रहा है, जो कि आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के मार्ग में एक बाधा है। उल्लेखनीय है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता 18 से 20 वर्षों का अनुभव रखती। इतने वर्षों का अनुभव रखने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता परीक्षा से वंचित रह जाएगी। यह पर्यवेक्षक के पद मानसेवी आंगनवाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से ही भरे जाने है। संगठन ने भर्ती प्रक्रिया के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की आयु सीमा में छूट दिए जाने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का हुआ निराकरण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्री मनीष शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज अग्निवंशी तथा डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अल्का सिंह द्वारा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त अधिकांश आवेदन आर्थिक सहायता, विद्युत, पीएम आवास, अतिक्रमण, खाद्यान्न पात्रता पर्ची सहित योजनाओं के लाभ से संबंधित थे। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित अन्य खण्ड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जनसुनवाई में उपस्थित रहे।

एनआईएमएचआर में 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 जनवरी तक चलेगा। इस संकाय विकास कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों में कार्यरत 50 पुनर्वास कार्यकर्ताओं को दिव्यांगजनों के पुनर्वास से संबंधित विभिन्न विषयों के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के पश्चात सभी प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन किया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक श्री निरंजन बी वायंगणकर (साइबर विंग), एम्स के सह-प्राध्यापक डॉ स्नेहिल गुप्ता, संस्थान के निदेशक डॉ अखिलेश कुमार शुक्ला, श्री नीरज मधुकर, डॉ. नवीन सिंह, डॉ. अंकित चौधरी, श्री रामकुमार नागर सहित संस्थान के शिक्षक गण एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

शहीदों की स्मृति में मौन धारण 30 को

विदिशा (निप्र)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में गुरूवार 30 जनवरी 2025 की प्रातः 11 बजे सभी शासकीय कार्यालयों में दो मिनिट का मौन रखा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों, संभागीय आयुक्त और समस्त कलेक्टर को निर्देश जारी किए हैं कि 30 जनवरी को प्रातः 11 बजे शहीदों की स्मृति में 2 मिनिट का मौन रखा जाए। शहीद दिवस को सम्पूर्ण गरिमा के साथ मनाने की अपील की गयी है। इस दिन को व्यापक रूप से आम जनता की भागीदारी से मनाए जाने के लिए प्रातः 11 बजे प्रदेश में कार्य और अन्य गतिविधियाँ रोक दी जानी चाहिए और दो मिनिट का मौन रखा जाना चाहिए।

माचक उपनहर का संशोधित ओसरा बंदी का कार्यक्रम जारी

हरदा (निप्र)। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन सम्भाग हरादा श्री डी.के. सिंह ने बताया कि माचक उपनहर उपसम्भाग खिरकिया का सन्शोधित ओसरा बंदी का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रहटाखुर्द, दिनकरपुरा व बूँदड़ा उपनहर मंगलवार शाम 6 बजे से शुक्रवार सुबह 6 तक बंद रहेगी। कुकरावद, छिदगांव, कनगावं व भीलगाव उपनहर शुक्रवार शाम 6 से रविवार सुबह 6 तक बंद रहेगी। इसी प्रकार खिड़की, सौताड़ा उपनहर रविवार शाम 6 से सोमवार सुबह 6 तक बंद रहेगी। उन्होंने किसानों से अपील की है कि बिना अनुमति एवं अग्रिम राशि जमा किये बगैर सिंचाई पंप नहीं चलावें।

नेताजी ने देशभक्ति की नई मिसाल पेश की : डॉ. मोहन यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी का सम्मान बढ़ाने का काम किया: विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने गुरुवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी की जंयती पर सुभाष स्कूल 7 नंबर चौराहा स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस देश के नायक हैं, कदम-कदम पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने देशभक्ति के नई मिसाल पेश की है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज देश और युवाओं के लिए ऐतिहासिक दिन है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर की तरह नेताजी सुभाषचंद्र बोस का भी अपमान किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस का सम्मान बढ़ाने का काम किया है।

अंग्रेजों के मुंह पर तमाचा मारकर दिया देश भक्ति का प्रमाण- डॉ. मोहन यादव- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने बड़ी हिम्मत के साथ आईसीएस का एग्जाम भी पास किया और कहा कि हम अंग्रेजों की नौकरी नहीं करेंगे,यह अंग्रेजों के मुंह पर तमाचा भी था और देशभक्ति का प्रमाण भी था। नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने,लेकिन कांग्रेस नेताओं

को नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी कभी रास नहीं आए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने आजाद हिंद फौज नाम से अस्थाई सरकार बनाकर अंग्रेजों को बहुत बड़ी चुनौती दी। कई देशों से उनकी सरकार को मान्यता भी मिली। उनके जीवन के विविध पक्षों को समाज के बीच लाना चाहिए। भारत रत्न स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी की देशभक्ति का सम्मान करते हुए सम्मान दिलाने के लिए कार्य किया। मुझे विश्वास है कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी के कार्यों का आने वाले समय में और मूल्यांकन किया जाएगा।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने देशभक्ति का संदेश दिया- श्री विष्णुदत्त शर्मा- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारत के नौजवानों के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने देशभक्ति का जो संदेश दिया हम सब संकल्प लेकर आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी के सम्मान के लिए हमेशा काम किया है। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी का अपमान करने का काम किया है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए इस्तीफा देना पड़ा था, यह जग जाहिर है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी की जयंती पर आज हम उनके देशभक्ति के लिए किए गए कार्यों को याद कर उनके बताए गए रास्तों पर चलने का प्रयास कर रहे हैं।

इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक श्री भगवानदास सबनानी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष उषा अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कांग्रेसजनों ने किया उनका पुण्य स्मरण

भोपाल। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आज कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय एवं ओल्ड सुभाष स्कूल के समीन स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर उनकी प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया।

कांग्रेसजनों ने स्वर्गीय सुभाष चंद्र बोस का स्मरण करते हुये कहा कि नेताजी भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिए, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फ़ौज की स्थापना की। उनके द्वारा दिया गया 'जय हिन्द' का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा' का नारा भी उन्होंने ही दिया था, जो उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। आज भी भारतवासी उन्हें नेता जी के नाम से सम्बोधित करते हैं।

जयंती कार्यक्रम में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, लोकसभा प्रत्याशी अरूण श्रीवास्तव, जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव, विजय सरवैया, टी.आर. गेहलोत, मुजाहिद सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश सरकार गौ-सेवा के लिये प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार गौ-सेवा के लिये प्रतिबद्ध है। प्रदेश में वर्ष 2024 को गौ-संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा कि गौ-माता सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय है। मानव जाति के कल्याण के लिए गौमाता की रक्षा करना होगी, हमें गौ-माता को निराश्रित नहीं रहने देना है। उन्होंने आह्वान किया कि हर घर में गौ-माता का पालन कर गोकुल बनायें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल आगर-मालवा जिले के कामधेनु गौ-अभयारण्य सालरिया में चल रहे एक वर्षीय वेदलक्षणा गौ-आराधना महोत्सव अंतर्गत गौ-कथा में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौ-अभयारण्य में चल रहे इतने वृहद स्तर के महोत्सव ने गौ-संवर्धन वर्ष को चरितार्थ किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौ-अभयारण्य सभाकक्ष में अभयारण्य की व्यवस्थाओं एवं आवश्यकताओं के बारे मे चर्चा की। उन्होंने अभयारण्य की व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सालरिया को मॉडल अभयारण्य बनाने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सालय के लिए रीवा क्षेत्र में भूमि आवंटन सरकार द्वारा किया जायेगा।

खनिज के अवैध उत्खनन व परिवहन में शामिल दो ट्रेक्टर और एक डंपर जप्त

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देशन पर जिले मे खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कार्यवाही लगातार जारी है। जिला खनिज अधिकारी श्री आर पी कमलेश ने बताया कि मंगलवार को खनिज विभाग के दल ने सिराली तहसील अन्तर्गत अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जांच के दौरान अवैध उत्खनन मे संलग्न ट्रेक्टर नम्बर एमपी 47 जेडडी 5248 को जप्त कर थाना सिराली मे खडा किया गया। इसके अलावा ग्राम सिराली मे रेत के अवैध भंडारण मे संलग्न एक अन्य ट्रेक्टर एमपी 47 एएच 0335 को जप्त कर थाना सिराली मे खडा किया गया है। दोनो वाहनो पर गौण खनिज नियमो के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। जिला खनिज अधिकारी श्री

कमलेश ने बताया कि इसके अलावा एक अन्य डम्पर द्वारा गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए ग्राम सिराली मे जप्त कर थाना सिराली मे खडा किया गया है, इन सभी मामलों में गौण खनिज नियमो के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी

प्राथमिक शिक्षक शर्मा निलंबित

विदिशा (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी श्री आरके ठाकुर ने शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने एवं शैक्षणिक संस्था में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने पर नटेरन विकासखंड की शासकीय प्राथमिक शाला, कुमरगढ़ा में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक अनिल कुमार शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया गया है। प्राथमिक शिक्षक अनिल कुमार शर्मा का मुख्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय विदिशा रहेगा। प्राथमिक शिक्षक को निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विभागीय अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत 'विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र' जन जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से मद्यपान तथा मादक पदार्थों, नशीली दवाइयां, शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से समाज, युवाओं को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य इनके सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, टीबी, हृदय रोग आदि से बचाव करने के लिए जन जागृति लाना है। नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत Alcoholic Anonymous संगठन के स्वयं सेवकों, विद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं से नशा मुक्ति से संबंधित सेवाएँ ली जाएगी। इसके अलावा प्रजापिता ब्रह्मकुमारी आश्रम, गायत्री परिवार, स्वैच्छिक संस्थान, धार्मिक संस्थाओं एवं विभाग की अशासकीय संस्थाओं की सहभागिता होगी। जारी आदेश में महिला बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बाल संप्रेक्षण गृह को तम्बाकू मुक्त कराना एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा। महिला स्व सहायता समूह भी इस अभियान में शामिल होगी तथा इसके लिए एक ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाया जाएगा। नशे के प्रकार, हॉटस्पॉट से संबंधित जानकारी नारकोटिक्स इकाई (पुलिस) के द्वारा शीघ्र की जाएगी। इस कार्य में समस्त स्कूल, महाविद्यालयों में नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम में स्वैच्छिक सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस विभाग, श्रम विभाग, जनसंपर्क, आबकारी, वन विभाग द्वारा नशे से ग्रसित झुग्गी बस्ती एवं ट्रक ड्राइवर के हॉटस्पॉट को चिन्हांकित कर विशेष अभियान चलाया जाएगा तथा सोशल मीडिया में प्रचार प्रसार भी करना होगा।

विद्यालयों के विद्यार्थियों को बनाया जाएगा प्रहरी क्लब : शिक्षा विभाग द्वारा नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत जिले के समस्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का प्रहरी क्लब बनाया जाएगा, जो नशे के विरूद्ध जन जागरूकता का कार्यक्रम करेगे। प्रहरी क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम को भारत सरकार के एनएमबीए एप्प पर दर्ज कर प्रहरी क्लब की जानकारी साझा की जाएगी।

रील्स, शॉर्ट मूवी बनाकर नशामुक्ति का प्रचार-प्रसार किया जाएगा : जारी आदेश में श्रम विभाग, चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, महिला बाल विकास विभाग, जन संपर्क द्वारा नशा मुक्ति से संबंधित रील्स, शॉर्ट मूवी बनाकर नशामुक्ति का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। नशा मुक्ति से संबंधित आयोजनों में सार्वजनिक स्थलों पर नशा मुक्ति से संबंधित सेल्फी पाईट का निर्माण कार्य समस्त नगरपालिका एवं जनपद पंचायत के द्वारा किया जाकर उसकी फोटो एक सप्ताह में उपलब्ध करायेंगे। शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग के द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नशा मुक्ति के क्षेत्र में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी आश्रम, गायत्री परिवार, स्वैच्छिक संस्थाएं, धार्मिक संस्थाएं एवं जन अभियान परिषद के प्रतिनिधियों का सहयोग भी लिया जाएगा।

सामाजिक नेतृत्व निर्माण में मेंटर्स की भूमिका महत्वपूर्ण : उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर

बैतूल (निप्र)। मप्र जन अभियान परिषद द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के संचालन के लिए महात्मा चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय और मप्र जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में परामर्शदाताओं का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ भारत भारती सभागृह परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मप्र जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष, पर्यावरणविद, जलप्रहरी मोहन नागर के द्वारा मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी द्वारा रखी गई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पर्यावरण विद् श्री मोहन नागर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा व भारत केन्द्रित शिक्षा पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में टास्क मैनेजर सैयद जाफरी ने मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के गठन से लेकर समाज में किये जा रहे कार्य और उनके फलस्वरूप होने वाले परिवर्तन को विस्तार से पीपीटी द्वारा समझाया।

श्री कौशलेश तिवारी संभाग समन्वयक नर्मदापुरम एवम विषय विशेषज्ञ द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम एवं सतत विकास लक्ष्य के अवधारणा, उद्धेश्य पर सत्र पॉवर पाईट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विषय विशेषज्ञ द्वारा लिया गया। कार्यक्रम का संचालन विकासखंड समन्वयक आमला अरविंद माथनकर के द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में श्री सन्तोष कुमार पटेल डीएसपी ग्वालियर, सभी विकासखंड समन्वयक स्टाफ सहित 50 परामर्शदाता सम्मिलित रहे।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हैं शौर्या दल की बालिकाएं

हरदा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल के निर्देश अनुसार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में होने वाली परेड में शौर्या दल की टुकड़ी भी शामिल होगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी ने बताया कि हरदा ग्रामीण क्षेत्र की परियोजना अधिकारी सुश्री प्रीति शर्मा को गणतंत्र दिवस की शौर्य दल की परेड के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। उनके मार्गदर्शन में शौर्य दल में शामिल लगभग दो दर्जन बालिकाएं प्रतिदिन नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाली परेड

अभ्यास में शामिल हो रही हैं। सभी बालिकाएं गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली परेड में शामिल होने को लेकर काफी उत्साहित हैं। श्री त्रिपाठी ने बताया कि शौर्य दल की टुकड़ी परेड कमांडर संतोषी बघेल के नेतृत्व में प्रतिदिन सुबह शाम नेहरू स्टेडियम में जाकर परेड का अभ्यास कर रही हैं।

संयुक्त कलेक्टर श्री अहमद ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

बैतूल (निप्र)। संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। उन्होंने अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में 135 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में प्रभात पट्टन तहसील के अमरावती घाट निवासी आशा नागले ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने संबंधी आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर संयुक्त कलेक्टर श्री अहमद ने प्रभात पट्टन जनपद सीईओ को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। भैंसदेही तहसील के ग्राम केरपानी निवासी फुलवंती कासदे ने दो वर्ष से संबल योजना की राशि नहीं मिलने की शिकायत की। जिस पर संयुक्त कलेक्टर ने जनपद सीईओ भैंसदेही को प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बैतूल निवासी नरेन्द्र ने जेल के पीछे साईं मंदिर रोड पर हुए अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर संयुक्त कलेक्टर श्री अहमद ने तहसीलदार बैतूल एवं नगर पालिका बैतूल को अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश दिए। बैतूल तहसील के ग्राम काजी जामठी निवासी मनीराम ने खाद्य रिकार्ड में नाम जुड़वाए जाने की मांग की। जिस पर संयुक्त कलेक्टर श्री अहमद ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा यातायात को सुगम बनाने आवश्यक कदम उठाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा यातायात को सुगम बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध निरंतर चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उनके ड्रायविंग लायसेंस के निलंबन प्रस्ताव भी भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने

सड़क दुर्घटनाओं के रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट चिन्हित करने एवं रेक्टीफिकेशन की निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रतिमाह विश्लेषण कर सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी मीटिंग में उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने वाहनों की ओवर स्पीडिंग को रोकने के लिए हाईवे के टोल नाको के पास स्पीड रडार गन द्वारा वाहनों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने रोड़ निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि जिले में सभी प्रकार की सड़कों का सर्वे कर यह सुनिश्चित करें कि सभी सड़कों पर संकेतक बोर्ड लगे हो एवं पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त न हो।

उन्होंने निर्देश दिए कि शहर में अतिक्रमण वाले स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाए ताकि ट्रैफिक संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर मे चल रहे निर्माण कार्यों के बीच में आने वाले बिजली के पोल को अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया जाए ताकि निर्माण कार्यों मे बाधा न हों। उन्होंने सभी वाहन चालकों के नेत्र परीक्षण के लिए शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के नेक व्यक्तियों को प्रेरित करने के लिए कार्य नीतियां बनाने एवं कार्य के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नगर पालिका सीएमओ को रोड़ किनारे लगाए जाने पौधों में पर्याप्त पानी डालने के निर्देश दिए। इसके साथ ही यातायात के विषय में जनता को जागरूक करने के निर्देश दिए।

॥ मंदिरम् ॥

20

सिद्धेश्वर धाम, सिक्किम

सिद्धेश्वर धाम जिसे चार धाम के नाम से भी जाना जाता है, एक हिंदू मंदिर परिसर है जो भारतीय राज्य सिक्किम में नामची से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस मंदिर को चार धाम मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि सभी चार धाम मंदिर प्रतिकृतियां इसी परिसर में स्थित हैं। सिद्धेश्वर धाम सोलोफोक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है जो नामची से 5 किलोमीटर दूर है, इसमें शिव की 108 फुट ऊंची प्रतिमा, 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां, जगन्नाथ, बद्रीनाथ, द्वारका और रामेश्वरम के पवित्र चारधाम हिंदू मंदिरों के मॉडल और शिव के शिकारी अवतार किरातेश्वर की 18 फुट ऊंची प्रतिमा है। इस स्थान को शिव भक्तों और अन्य लोगों द्वारा पवित्र माना जाता है, यहाँ सोलोफोक पहाड़ी की चोटी पर 33 मीटर ऊँची शिव प्रतिमा स्थापित है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अग्निकुंड में सती को खोने के बाद, भगवान शिव एकांत में चले गए और सिक्किम के जंगलों में शिकारी बन गए। श्री जगद्गुरु शंकराचार्यस्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने नवंबर 2011 में सिद्धेश्वर धाम का निर्माण कराया था।

2 सांसद, 5 मंत्री-विधायकों ने अटकाए 5 जिलाध्यक्षों के नाम

प्रहलाद, उदय और कैलाश चाहते हैं अपने समर्थकों की ताजपोशी,जीजा को रिपीट कराना चाहती हैं सांसद

भोपाल। मध्यप्रदेश में बीजेपी के 57 जिला अध्यक्षों का ऐलान हो चुका है लेकिन 5 जिलों में सहमति नहीं बन पा रही है। इंदौर शहर और ग्रामीण, नरसिंहपुर, निवाड़ी और छिंदवाड़ा में जिला अध्यक्षों की घोषणा दिग्गजों के दखल के कारण अटकी हुई है। पार्टी की इस अंदरूनी खींचतान पर केंद्रीय नेतृत्व भी नाराज है। इससे पहले 14 जनवरी को पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने 'X' पर पोस्ट कर नवनिर्वाचित जिलाध्यक्षों को बधाई दी थी। संतोष ने लिखा था- अगले दो दिन में मध्यप्रदेश के सभी 62 जिला अध्यक्ष घोषित हो जाएंगे। इसके बावजूद अब तक 5 जिला अध्यक्षों के नाम पर स्वीकृति नहीं बन पा रही है। इंदौर में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अपने करीबी उम्मीदवारों को अध्यक्ष बनवाने पर अड़े हैं। विजयवर्गीय चाहते हैं कि चिंटू वर्मा को फिर से इंदौर ग्रामीण अध्यक्ष बनाया जाए। वहीं, विधायक रमेश मेंदोला अपने करीबी सुमित मिश्रा को शहर का अध्यक्ष बनवाना चाहते हैं। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट इंदौर ग्रामीण में अपने करीबी अंतर दयाल को अध्यक्ष बनवाने के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया के जरिए दबाव बना रहे हैं। नरसिंहपुर में पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल और परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के बीच जिला

अध्यक्ष के चयन को लेकर विवाद है। पटेल चाहते थे कि उनके छोटे भाई जालम सिंह पटेल को जिला अध्यक्ष बनाया जाए लेकिन संगठन की सहमति नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने महिला कोटे से बीना ओसवाल का नाम आगे बढ़ाया है, जो जैन समाज से आती हैं। वहीं, परिवहन मंत्री लोधी समाज के नेता ठाकुर राजीव सिंह पटेल को अध्यक्ष बनवाना चाहते हैं।

छिंदवाड़ा में कार्यवाहक जिला अध्यक्ष को स्थायी करने पर मंथन- छिंदवाड़ा में विवेक बंटी साहू के सांसद बनने के बाद शेषराव यादव को कार्यवाहक जिला अध्यक्ष बनाया गया था। अब साहू शेषराव की जगह नया जिला अध्यक्ष बनवाना चाहते हैं। वहीं, मुख्यमंत्री यादव ने शेषराव यादव को रिपीट करने का प्रस्ताव रखा है। शेषराव यादव की पत्नी और सागर सांसद लता वानखेड़े सगी बहनें हैं, जिसके कारण सागर सांसद भी अपने बहनोई को रिपीट कराने के प्रयास में लगी हैं। संगठन भी छिंदवाड़ा में नया चेहरा नियुक्त करने के मूड में दिख रहा है। सांसद साहू के विरोध के कारण पांढुर्णा में वैशाली महाले की जगह संदीप मोहोड को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। छिंदवाड़ा में शेषराव यादव के साथ टीकाराम चंद्रवंशी का नाम भी रेस में है।

निवाड़ी में जिला अध्यक्ष के लिए नए दावेदार उभरे

निवाड़ी में जिला अध्यक्ष के लिए पूर्व मंत्री स्वर्गीय सुनील नायक के भाई गणेशी लाल नायक के नाम पर पहले सहमति बन गई थी, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व विधायक डॉ. शिशुपाल यादव का नाम आगे बढ़ाया। शिशुपाल पर संगठन सहमत नहीं हो पाया। अब निवाड़ी विधायक अनिल जैन ने अपने करीबी संजय नकीब का नाम आगे बढ़ाया है। बुधवार को अनिल जैन और पृथ्वीपुर के पूर्व विधायक डॉ. शिशुपाल यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। अब सत्ता और संगठन के बीच निवाड़ी में जिला अध्यक्ष के नाम पर एक राय बनाने के प्रयास चल रहे हैं। इस दौरान निवाड़ी जिले के दावेदारों के खिलाफ कई शिकायतें भी संगठन तक पहुंची हैं। एक खेमे ने गणेशी को टीकमगढ़ जिले का निवासी बताया तो दूसरे खेमे ने शिशुपाल को उत्तर प्रदेश का रहने वाला बताकर शिकायत की। जो दावेदार रेस में शामिल हैं, उनके 2021 में पार्टी से निष्कासन के पत्र भी संगठन तक पहुंचे हैं।

सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मध्यप्रदेश प्रतिबद्ध : देवड़ा

निगरानी ढांचे,पर्यावरणीय आंकड़ों के संकलन और जेंडर सांख्यिकी पर हुई क्षमता निर्माण कार्यशाला

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सतत् विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मध्यप्रदेश की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मूल विकास दर्शन से प्रेरित होकर विभिन्न सामाजिक विकास योजनाएँ लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिला और विकास खंड स्तर पर अब विकास के लक्ष्यों पर निगरानी रखने पर ध्यान दिया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा सतत् विकास के लक्ष्यों के लिए निगरानी ढांचे, पर्यावरणीय आंकड़ों के संकलन और लिंग सांख्यिकी पर आयोजित क्षमता निर्माण पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय और मप्र राज्य नीति आयोग द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि

पर्यावरणीय संतुलन के बिना विकास अधूरा है। विकास के लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने के लिए आंकड़ों की शुद्धता आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सबके समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। यूएन रीजनल कोऑर्डिनेटर श्री शोम्बी शार्प, ने कहा कि भारत द्वारा सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की गति से यह आंकलन होगा कि दुनिया के अन्य देश कितनी जल्दी इन लक्ष्यों को हासिल कर पायेंगे। विकास के लिए शुद्ध आंकड़े सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यूएन और मध्यप्रदेश और केन्द्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के साथ त्रिपक्षीय समझौतों के साथ आगे बढ़ने की कोशिश हो रही है। इसमें पांच संगठन शामिल हैं - यूनीसेफ, यूनीडो, यूएनएफपीए, यूएन वूमन और यूएनडीपी। उन्होंने कहा कि सतत् विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की गति को और तेज करने की आवश्यकता है। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि विकास प्रक्रियाओं से संबंधित आंकड़ों का समय पर संकलन सबसे जरूरी है। इसके अलावा उनके बदलाव पर सतत निगरानी रखना और उनका समय समय पर विश्लेषण करना आवश्यक है। इससे नीति निर्माण प्रक्रिया न सिर्फ आसान बल्कि प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की मूल भावना नीति निर्माण प्रक्रिया का केन्द्र बिन्दु है। उन्होंने केन्द्र और राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि योजनाओं का सम्पूर्ण क्रियान्वयन होना चाहिए तभी अपेक्षित परिणाम मिलते हैं। मुख्य सचिव ने विकास की दृष्टि से पिछड़ रहे जिलों और विकास खंडों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि आंकड़ों का एकीकरण उतना ही जरूरी है जितना समय पर संकलन। उन्होने विकास के प्रयासों की प्रगति का आंकलन करने के लिए भी संकेतकों का विकास करने की आवश्यकता बताई। इसके अलावा मध्यप्रदेश जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्यों के डेटा विश्लेषण और सामाजिक ढांचे के अनुसार बालिकाओं के सामाजिक आर्थिक और शैक्षणिक अधिकारों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि भोपाल देश का पहला शहर है, जिससे टाइगर रिजर्व जुड़ा हुआ है। उन्होंने भोपाल की झील, वन विहार और विश्व धरोहर का उल्लेख करते हुए अतिथियों से कहा इन स्थानों का भ्रमण जरूर करें। प्रमुख सचिव योजना श्री संजय शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश वन और जैव विविधता में सबसे समृद्ध राज्य है।

सात घंटे बंधक रही एमपी पुलिस,फोर्स ने पहुंचकर छुड़ाया

नीमच में ग्रामीणों ने की पत्थरबाजी, पुलिस ने किया लाठीचार्ज,आंसू गैस के गोले छोड़े

भोपाल। नीमच में बुधवार को ग्रामीणों ने पुलिस टीम को करीब 7 घंटे तक बंधक बनाए रखा। मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने रात करीब 11 बजे जब अपने साथी पुलिसकर्मियों और दोनों पुलिस वाहनों को निकालना चाहा तो लोगों ने विरोध करते हुए पुलिस पर पथराव कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। साथ ही आंसू गैस के गोले भी छोड़े। पुलिस ने जैसे-तैसे अपने साथी पुलिसकर्मियों और दोनों वाहनों को ग्रामीणों के चंगुल से निकाला। एएसपी नवल सिंह सिसोदिया ने बताया कि गाड़ियों को निकालने के दौरान ग्रामीणों ने विवाद किया और कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने पथराव किया। इस दौरान पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आंसू गैस गोले के करीब 10-12 राउंड छोड़े हैं। ग्रामीणों के पथराव में कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिनका मेडिकल करवाया जा रहा है। कानून व्यवस्था बिगड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले पुलिस के आला अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाया, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े रहे। मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने करीब एक से डेढ़ घंटे तक ग्रामीणों को समझाया। इसके बाद वे भी मौके से रवाना हो गए।

तस्करी मामले में जांच करने पहुंची थी टीम

ये मामला जिले के मनासा थाना क्षेत्र के चौकड़ी गांव का है। बुधवार शाम करीब 4 बजे पुलिस यहां तस्करी मामले में जांच के लिए पहुंची थी। जिसे ग्रामीणों ने घेर लिया। लोगों ने पुलिस वाहनों के सामने जेसीबी खड़ी कर दी। बाद में सूचना पर मौके पर आला अधिकारी पहुंचे थे। दरअसल, जिले की सिंगोली थाना पुलिस ने सोमवार की रात झांतला गांव के पास से चौकड़ी गांव के नीलेश (उम्र 24 वर्ष) पिता श्यामलाल को 54.3 किलोग्राम डोडाचूरा के साथ गिरफ्तार किया था। इसी मामले में आगे की जांच के लिए पुलिस की टीम आरोपी को लेकर चौकड़ी गांव पहुंची थी। ग्रामीणों का आरोप है कि जिस युवक को पकड़ा गया था, उसके पास 30 किलो अवैध मादक पदार्थ था, लेकिन पुलिस ने उसकी मात्रा बढ़ाकर 54 किलो कर दिया। ग्रामीणों का ये भी आरोप है कि पुलिस झूठे मामलों में फंसा रही है। मादक पदार्थ तस्करी के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। ग्रामीण मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

आरोपी को लेकर तीन गाड़ियों में पहुंची थी पुलिस

घटनाक्रम शाम करीब 4 बजे तब शुरू हुआ, जब सिंगोली पुलिस तीन गाड़ियों के साथ सोमवार को पकड़े गए आरोपी को लेकर गांव पहुंची। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस की गाड़ी को घेरना शुरू कर दिया। हालात भांपते हुए पुलिस की एक गाड़ी आरोपी को लेकर रवाना हो गई, लेकिन दो गाड़ियों को ग्रामीणों ने रोक लिया। दोनों वाहन में सिंगोली थाना प्रभारी समेत करीब 10 से 12 पुलिसकर्मी शामिल है। ग्रामीणों ने पुलिस की दोनों गाड़ियों के सामने जेसीबी खड़ी कर दी थी। पुलिस कर्मियों को गाड़ियों में ही बैठा कर रखा था। प्रदर्शन में महिलाएं भी शामिल थी। हंगामे की सूचना मिलते ही एएसपी नवल सिंह सिसोदिया, एसडीओपी विमलेश उइके समेत अन्य थानों का बल मौके पर पहुंचा। मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारु भी गांव पहुंचे। ग्रामीण एसपी को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे थे। वे उन्हीं से चर्चा करना चाहते थे। एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया का कहना है कि उपद्रव करने वाले लोगों में कुछ को नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस टीम और 77 टन अवैध मादक पदार्थ नष्ट करने की कार्रवाई में तैनात है। गांव में भी शांति है।

बलराम तालाब योजना में एक लाख रूपये तक मिलती है अनुदान राशि

भोपाल। कृषि विभाग की बलराम तालाब योजना में सामान्य कृषकों को स्वयं के व्यय पर तालाब निर्माण करने पर लागत राशि का 40 प्रतिशत अधिकतम 80 हजार रूपये का लाभ मिलता है। योजना में लघु-सीमान्त कृषकों को लागत राशि का 50 प्रतिशत और अधिकतम 80 हजार रूपये और अनुसूचित जाति/जनजाति के कृषकों को लागत राशि का 75 प्रतिशत अधिकतम एक लाख रूपये की अनुदान राशि दी जाने का प्रावधान है।

योजना में वर्ष 2023-24 में 569.30 लाख रूपये की राशि से 662 बलराम तालाब निर्मित किये गये। विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिये 5308.34 रूपये का वित्तीय लक्ष्य एवं 6144 बलराम तालाब निर्मित किये जाने का भौतिक लक्ष्य रखा गया है।

अहिल्याबाई किले की थीम पर बने डोम में आज होगी कैबिनेट

सीएम बोले-लोकमाता की 300वीं जयंती को समर्पित होगी यह कैबिनेट

मुख्यमंत्री और मंत्रीगण देवी अहिल्याबाई की स्मृति में करेंगे पौध-रोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने डेस्टिनेशन कैबिनेट की ऐतिहासिक पहल की है। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पर्यटन को बढ़ावा देने की अवधारणा को भी धरातल पर साकार करती है। शुक्रवार 24 जनवरी को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी महेश्वर में राज्य सरकार कैबिनेट की बैठक करने जा रही है, जो देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती वर्ष को समर्पित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

लोकमाता देवी अहिल्याबाई का सम्पूर्ण जीवन लोक-कल्याण और सुशासन को समर्पित रहा है। राज्य सरकार देवी अहिल्याबाई द्वारा महिला सशक्तिकरण, किसान-कल्याण, सुशासन की दिशा में दिखाए मार्ग पर चलकर समग्र विकास को चरितार्थ करने के लिये संकल्पित है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सिद्धातों एवं आदर्श राज्य की नीति एवं निर्माण में समाहित किया जायेगा। उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए महिला नेतृत्व एवं सशक्तिकरण की दिशा में सरकार ने प्रभावी कदम बढाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव महेश्वर घाट पर माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना करेंगे। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की स्मृति में पौध-रोपण होगा। महेश्वर में माँ नर्मदा के घाटों के साथ ही नगर में भी साज-सज्जा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, महेश्वरी साड़ी तैयार करने वाली महिला बुनकरों से संवाद करेंगे। मंत्रि-परिषद के सदस्य लोकमाता देवी अहिल्याबाई के महल का अवलोकन करेंगे।

विधायक संजय पाठक की कंपनियों की जमीनों की जांच शुरू

ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया केस, सहारा ग्रुप से सौदे में नियमों के उल्लंघन का आरोप

भोपाल। विजयराघवगढ़ से बीजेपी विधायक संजय पाठक की कंपनियों से जुड़ी जमीनों के सौदे जांच के घेरे में हैं। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW) ने इन कंपनियों द्वारा सहारा ग्रुप की जमीन खरीदने की पड़ताल शुरू कर दी है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने 15 जनवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विधायक पाठक पर करोड़ों रुपए की गड़बड़ी करने के आरोप लगाए थे। यादव ने भोपाल, जबलपुर और कटनी में सहारा की 310 एकड़ जमीन को कौड़ियों के भाव में खरीदने की बात कही थी। उन्होंने कहा, जिन जमीनों का तत्कालीन बाजार मूल्य करीब 1000 करोड़ रुपए था, उनका सौदा संजय पाठक ने सिर्फ करीब 90 करोड़ में कैसे कर लिया। यादव ने बताया कि सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सहारा हाउसिंग कॉर्पोरेशन इन्वेस्टमेंट ग्रुप द्वारा कई शहरों में निवेशकों से धन जुटाकर सहारा सिटी बनाने के उद्देश्य से जमीनें खरीदी

गई थीं। साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट और (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) SEBI द्वारा सहारा समूह को निवेशकों की राशि लौटाने के लिए कम्पनी की प्रॉपर्टी बेचने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, जमीन के सौदे की सीमा अधिकतम 90 प्रतिशत या उससे ज्यादा तक तय की गई थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रॉपर्टी बेचने की अनुमति इस शर्त पर दी गई थी कि पैसे खरीदार द्वारा सीधे मुंबई में बैंक ऑफ इंडिया के सेबी-सहारा रिफंड खाता नंबर 012210110003740 में जमा किए जाएंगे।

सहारा ग्रुप ने शैल कंपनियों में जमा कराए रुपए

ईओडब्ल्यू के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार भोपाल स्थित जमीन बेचकर सेबी-सहारा रिफंड खाते में रुपए जमा कराने के नियम का भी उल्लंघन किया गया है। सहारा ग्रुप ने ये रुपए सहारा इंडिया रियल एस्टेट लिमिटेड, सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन और निजी शैल कम्पनियों के खातों में जमा कराए। एजेंसी ने आशुतोष दीक्षित मनु की शिकायत पर इसी मामले की जांच शुरू की है। ईओडब्ल्यू दस्तावेजी सबूत जुटाने के लिए मेसर्स सिनाम रियल एस्टेट प्रा.लि. और जबलपुर की मेसर्स नायसा देवबिल्ड प्रा.लि. के संचालकों से सवाल-जवाब करेगी। सहारा इंडिया रियल स्टेट कॉर्पोरेशन, सहारा हाउसिंग कॉर्पोरेशन इन्वेस्टमेंट समूह के अधिकारी, कर्मचारी और संबंधित राजस्व अधिकारियों के खिलाफ पीई दर्ज की गई है। यादव ने कहा, विधायक पाठक ने सहारा ग्रुप की जमीन औने-पौने दामों में खरीदीं। जमीनों की रजिस्ट्री करवाने में स्टाम्प ड्यूटी की चोरी भी की गई। सहारा सिटी बनाने के लिए रेजिडेंशियल जमीन की पाठक ने एग्रीकल्चर लैंड में रजिस्ट्री कराई। यादव ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित जमीनों की रजिस्ट्री कैंसिल करवाने की मांग भी की है।